

अध्याय चतुर्थ :-आकड़ो का विवरण विश्लेषण
एवं सांख्यिकी का प्रयोग

1. प्रस्तावना
2. आकड़ो का विवरण एवं सांख्यिकी प्रयोग
3. शोध का परिणाम एवं
4. शोध निष्कर्ष

अध्याय चतुर्थ :-आकड़ो का विवरण विश्लेषण एवं सांख्यिकी का प्रयोग।

4.1 प्रस्तावना :-

संख्यात्मक आकड़ो का एकत्रीकरण, संगठित, विश्लेषण, एवं व्याख्या करने हेतु सांख्यिकी विधि का प्रयोग किया जाता है। मापन एवं मूल्यांकन के लिए सांख्यिकी को मुख्य साधन माना जाता है। विभिन्न व्यक्तिगत निरीक्षण द्वारा समूह व्यवहार अथवा समूह गुण धर्मों का स्पष्टीकरण करके उनका समान्यीकरण सांख्यिकी द्वारा किया जाता है। प्रस्तुत शोध हेतु सहसंबंध कार्ल पियर्सन गुणांक विधि का प्रयोग किया है। संबंध दो चरों के मध्य अन्तर देखने हेतु टी. टेस्ट, (कांतिक अनुपात) मध्यमान की मानक विचलन त्रुटी,सहसंबंध की सार्थकता ज्ञात करने हेतु उपयुक्त सूत्रों का उपयोग किया है।

प्रस्तुत शोध के इस अध्याय चतुर्थ इसे मुख्य रूप से तीन भागों में विभाजित किया है।

- 1 प्रथम भाग- न्यादर्श का विवरण
- 2 द्वितीय भाग-चरों के मध्य संबंध
- 3 भाग तीन-चरों के मध्य अंतर

4.2 प्रथम भाग-न्यादर्श का विवरण

इस भाग में न्यादर्श का विद्यालय के प्रकार शासकीय- अशासकीय, लिंग अनुसार छात्र-छात्राएं , प्रशासन अनुसार केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मण्डल दिल्ली- मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल एवं माध्यम अनुसार हिन्दी एवं अंग्रजी में वितरित किया गया है। इसमें न्यादर्श को तालिका अनुसार प्रदर्शित किया गया है।

4.3 द्वितीय भाग-चरों के मध्य संबंध

प्रस्तुत शोध में चरों के मध्य सहसंबंध ज्ञात करना शोध का मुख्य उद्देश्य है-

इस भाग में चरों के मध्य संबंध ज्ञात करने हेतु दो स्वतंत्र चरों सामाजिक समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि का संबंध एक आश्रित चर छात्र, छात्रा, शासकीय, अशासकीय, हिन्दी, अंग्रेजी, सी.बी.एस.ई. और म.प्र. बोर्ड के माध्यम से प्राप्त किया गया है। इस भाग में दोनों मुख्य चरों का संबंध सार्थक है या नहीं यह देखा गया है। इसकी सार्थकता ज्ञात करने हेतु उद्देश्य अनुसार बनाई गई सामाजिक समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि परिकल्पना की जाँच की गई है। सहसंबंध की सार्थकता तालिका अनुसार ज्ञात की गई ।

- 1 छात्र-छात्राएं
- 2 शासकीय-अशासकीय
- 3 सी.बी.एस.ई. -म.प्र. बोर्ड
- 4 हिन्दी माध्यम- अंग्रेजी माध्यम

4.4 भाग तीन-चरों के मध्य अंतर

प्रस्तुत भाग तीन में शोध के चरों के मध्य अंतर का ज्ञात किया गया है।

इस भाग में दो आश्रित चरों के मध्य एक स्वतंत्र चर के माध्यम से सार्थक अंतर है या नहीं यह ज्ञात किया गया है। सभी चरों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के अनुसार सार्थक अंतर की गणना की गई है।

प्रस्तुत भाग में निम्न चरों में अंतर की सार्थकता प्राप्त की गई है।

- 1 छात्र- छात्राएं
- 2 शासकीय -अशासकीय
- 3 सी.बी.एस.ई. -. म.प्र. बोर्ड
- 4 हिन्दी माध्यम- अंग्रेजी माध्यम

4.5 सहसंबंध

सहसंबंध एक सांख्यिकी तकनीक है जिसका प्रयोग दो या अधिक चरों के व्यवहारों का विश्लेषण करने के लिये किया जाता है। व्यावहारिक जीवन में हम पाते हैं कि विभिन्न घटनाओं के बीच कुछ न कुछ संबंध अवश्य होता है। उदाहरण के लिये, लोगों की आय बढ़ने के साथ उनका उपयोग व्यय भी बढ़ गया है। बाजार में वस्तु की कीमते घटने पर मांग बढ़ जाती है। लोगों की आय बढ़ने के साथ-साथ उनका वजन भी बढ़ने लगता है। इस प्रकार के दो या चरों के बीच पाये जाने वाले पारस्परिक संबंधों की दिशा एवं मात्रा को मापने के लिए ही सांख्यिकी में सहसंबंध तकनीक का प्रयोग किया जाता है। ये संबंध एक दिशा में ही हो सकता है।

4.6 सहसंबंध के प्रकार

सहसंबंध कि दिशा, अनुपात एवं चरों की संख्या के आधार पर सहसंबंध के प्रकार हैं।

1. धनात्मक सहसंबंध
2. ऋणात्मक सहसंबंध
3. शून्य सहसंबंध

अ सहसंबंध गुणांक

संख्यात्मक सहसंबंध

-धनात्मक सहसंबंध

-ऋणात्मक सहसंबंध

-शून्य सहसंबंध

गुणात्मक सहसंबंध

-रेखीय सहसंबंध

-वक्रात्मक सहसंबंध

ब सहसंबंध की व्याख्या

. 00 से 20

. 21 से 40

. 41 से 60

. 61 से 80

. 81 से 99

+ 1

धनात्मक सहसंबंध गुणांक

नाम मात्र धनात्मक सहसंबंध

कम धनात्मक सहसंबंध

साधारण धनात्मक सहसंबंध

अधिक धनात्मक सहसंबंध

बहुत अधिक धनात्मक सहसंबंध

पूर्ण सहसंबंध

स इसी प्रकार ऋणात्मक गुणांक की व्याख्या की जाएगी।

गुणांक

:- 00 से 20

:- 21 से 40

:- 41 से 60

:- 61 से 80

:- 81 से 99

- 1

ऋणात्मक सहसंबंध

नाम मात्र ऋणात्मक सहसंबंध

कम ऋणात्मक सहसंबंध

साधारण ऋणात्मक सहसंबंध

अधिक ऋणात्मक सहसंबंध

बहुत अधिक ऋणात्मक सहसंबंध

पूर्ण ऋणात्मक सहसंबंध

4.7 सहसंबंध गुणांक को ज्ञात करने की विधियां

1. स्पियरमैन का कोटी अंतर सहसंबंध गुणांक
2. कार्ल पिर्यसन का सहसंबंध गुणांक

4.8 सहसंबंध की सार्थकता ज्ञात करने हेतु

1. $r > 6p_e$
2. $S.error = 6 * p_e = 0.6745 * 1 - r^2 / \sqrt{N}$

4.9 आकड़ों का विवरण

प्रस्तुत शोध में शोधार्थी ने लॉटरी विधि द्वारा कक्षा 11 वी गणित, संकाय के प्रत्येक विद्यालय से 20 विद्यार्थियों को विद्यालयों से चयन किया है। जो कि निम्न प्रकार है।

तालिका क्रमांक -2

बैतूल जिले के विद्यार्थियों का विवरण

क्र	विद्यालय का नाम	विद्यालय का प्रशासन	विद्यार्थियों की सं.	शिक्षा का माध्यम	विद्यालय का प्रकार	विद्या.का स्थान
1	शा.कन्या विद्यालय	शासकीय	20	हिन्दी	मा.शि.मं. भोपाल म.प्र.	आमला
2	शा. बालक विद्यालय	शासकीय	20	हिन्दी	मा.शि.मं. भोपाल म.प्र.	आमला
3	शा.उत्कृष्ट विद्यालय	शासकीय	20	हिन्दी	मा.शि.मं. भोपाल म.प्र.	बैतूल
4	गुरुनानक हायर सेकणरी स्कूल	अशासकीय	20	हिन्दी	मा.शि.मं. भोपाल म.प्र.	आमला
5	शा.उत्कृष्ट विद्यालय	शासकीय	20	अंग्रेजी	मा.शि.मं. भोपाल म.प्र.	बैतूल
6	भारत भारतीय बालक आवसीय विद्यालय	अशासकीय	20	हिन्दी	मा.शि.मं. भोपाल म.प्र.	बैतूल
7	आर.डी.पब्लिक स्कूल	अशासकीय	20	अंग्रेजी	के.मा.शि.मं. दिल्ली	बैतूल
8	केन्द्रीय विद्यालय	शासकीय	20	अंग्रेजी	के.मा.शि.मं. दिल्ली	आमला
9	लाईफ कैरियर स्कूल	अशासकीय	20	अंग्रेजी	मा.शि.मं. भोपाल म.प्र.	आमला
10	जवाहर नवोदय विद्यालय	शासकीय	20	अंग्रेजी	के.मा.शि.मं. दिल्ली	मुलताई

SCHOOL NAME-GOVT. BOYS SCHOOL CLASS-11th maths

S.NO.	STUDENT NAME	SEX	MEDII	EDUC	AC	SOCIAL ADJUSTMEMENT			TOTAL
						TDS	EAS	SMS	
1	RAHUL PATWARI	M	H	51	12	31	43	86	
2	AAKASH GADEKAR	M	H	47	20	31	24	75	
3	AASHIS SONI	M	H	49	20	40	39	99	
4	PRAVIN KHATERKAF	M	H	45	20	36	40	96	
5	ARUN YADAV	M	H	37	14	27	26	67	
6	DURGESH PATHADE	M	H	36	15	38	27	80	
7	MATHURA PRASAD	M	H	38	3	9	14	26	
8	DIPAK KUMAR	M	H	43	14	49	33	96	
9	ROHIT KUMAR	M	H	53	7	17	31	55	
10	MAHADEV SABRE	M	H	50	20	29	50	99	
11	MANVENDRA	M	H	45	16	29	18	63	
12	RAVI RAVAT	M	H	65	22	16	23	59	
13	PAVAN HARODE	M	H	48	20	36	26	82	
14	NIKHIL NAGLE	M	H	44	20	35	33	88	
15	KAMAL KISHORE	M	H	49	20	42	31	93	
16	TARUN SORYVANSI	M	H	80	12	21	14	47	
17	NAND KUMAR	M	H	48	20	12	40	72	
18	KAPIL PANDOLE	M	H	52	15	30	34	79	
19	SNEHA BOKARE	M	H	55	27	34	38	99	
20	DURGESH GHIGHOE	M	H	42	14	28	22	64	

SCHOOL NAME-GOVT.GIRLS SCHOOL AM CLASS-11th maths

S.NO.	STUDENT NAME	SEX	MEDII	EDUCA.	A(C	SOCIAL ADJUSTMEMENT			TOTAL
						TDS	EAS	SMS	
1	PURJANA KHAN	F	H	66	5	26	31	62	
2	VIBHA TAIVADE	F	H	30	12	40	31	83	
3	PALAK	F	H	64	6	38	25	69	
4	RADIKHA	F	H	44	8	26	38	72	
5	DIPIKA PAL	F	H	46	3	15	20	38	
6	YOGITA	F	H	43	6	30	16	52	
7	LALITA BACHLE	F	H	37	4	18	41	63	
8	POONAM	F	H	30	8	41	33	82	
9	DIPA BADRE	F	H	49	5	15	31	51	
10	PRITI KHATERKAR	F	H	48	6	36	28	70	
11	NIYARIKA IVNE	F	H	35	7	30	24	61	
12	URMILA HARODE	F	H	32	4	16	24	44	
13	SONAM PARIHAR	F	H	54	8	24	36	68	
14	SONALI PATIL	F	H	46	5	25	48	78	
15	MEGHA PANDE	F	H	41	13	17	11	41	
16	AAKANSHA	F	H	34	8	23	38	69	
17	BHAVNA	F	H	63	7	15	18	40	
18	KAVITA	F	H	35	16	46	21	83	
19	VARSHA	F	H	43	10	23	18	51	
20	HOLIKA SHAHU	F	H	44	12	25	40	77	

SCHOOL NAME-GOVT.excellence school be CLASS-11th maths

S.NO.	STUDENT NAME	SEX	MEDICAL	EDUC. AC	SOCIAL ADJUSTMENT			TOTAL
					TDS	EAS	SMS	
1	SATISH SONI	M	E	55	14	28	22	64
2	YASH RAJ	M	E	52	12	21	14	47
3	RATIKSHA	F	E	72	16	29	18	63
4	YASHIKA	F	E	76	17	47	31	95
5	SHURTI PATHAK	F	E	62	14	49	33	96
6	SHIYA	F	E	64	13	9	14	36
7	JAY BARNGE	M	E	67	15	38	27	80
8	AAYUSHI	F	E	68	20	36	26	82
9	VIYAKANT	M	E	81	14	27	26	67
10	VAISHALI	F	E	54	15	30	34	79
11	ADITI	F	E	66	31	12	40	83
12	HIMANU	M	E	57	14	49	33	96
13	PALAK	F	E	89	15	27	31	73
14	AAKASH	M	E	60	12	14	21	47
15	DIVYANSU	M	E	43	12	31	43	86
16	HARSE	M	E	53	20	36	35	91
17	SAKET PANDEY	M	E	88	14	49	33	96
18	AABHA	F	E	64	23	31	21	75
19	ADITYA	M	E	53	13	19	14	46
20	SITESH	M	E	55	14	25	19	58

SCHOOL NAME-Gurunanak school amla CLASS-11th maths

S.NO.	STUDENT NAME	SEX	MEDICAL	EDUC. AC	SOCIAL ADJUSTMENT			TOTAL
					TDS	EAS	SMS	
1	ANIL MEENA	M	H	61	16	18	8	42
2	DEEPA MARSKOLE	F	H	51	13	9	11	33
3	MANALI VARMA	F	H	54	11	16	17	44
4	NAVIN PARIHAR	M	H	69	14	11	34	59
5	NITU KUMARE	F	H	65	11	18	5	34
6	NITESH MOHANE	M	H	49	14	18	24	56
7	POONAM PARTE	F	H	52	12	14	62	88
8	PRADIP KHADE	F	H	61	9	31	53	93
9	PRAGTI SOLANKI	F	H	51	14	30	11	55
10	ROHIT SHAHU	M	H	59	10	26	31	67
11	SHIVAM SHAHU	M	H	69	18	34	7	59
12	SHUBAM MANDVE	M	H	56	14	16	32	62
13	SHUSIL PANDOLE	M	H	55	13	31	44	88
14	VIRENDRA SOLANKI	M	H	52	18	14	12	44
15	VISHAL DESHMUK	M	H	53	17	31	31	79
16	YASH THAKUR	M	H	54	18	23	30	71
17	ANMOLE BAGGA	M	H	68	16	22	27	65
18	PRIYANSU	M	H	68	14	36	36	86
19	PRAGYA	F	H	87	14	16	33	63
20	PARTH MALVIY	M	H	61	6	11	9	26

SCHOOL NAME-Govt excellence school CLASS-11th maths

S.NO.	STUDENT NAME	SEX	MEDI	EDUC.AC	SOCIAL ADJUSTMENT			TOTAL
					TDS	EAS	SMS	
1	HARSH KUMAR	M	H	60	12	20	17	71
2	GULSHAN DHAKAD	M	H	59	19	36	16	55
3	KARUN GAVANDE	M	H	61	11	19	5	67
4	AACHAL	F	H	36	14	28	24	59
5	SHANTNU	M	H	68	17	31	4	65
6	MONA SARLE	F	H	69	13	22	46	56
7	VISHAL JARE	M	H	63	15	39	21	88
8	SOMNATH	M	H	45	20	48	10	93
9	CHANDRASHEKHAR	M	H	44	13	31	34	86
10	AJITDURVE	M	H	39	9	16	20	42
11	PRAVIN	M	H	70	6	12	13	33
12	LOKESH	M	H	38	12	19	18	44
13	NIKITA	F	H	47	9	31	20	59
14	MINAL SHAHU	F	H	64	20	33	35	34
15	VIKASH	M	H	33	18	42	30	62
16	KHUSHI	F	H	61	16	46	30	88
17	ROSHNI	F	H	49	11	24	19	44
18	AARTI	F	H	49	15	34	27	79
19	SHIVANI	F	H	55	19	31	31	63
20	PRAVIN	M	H	49	8	22	16	26

SCHOOL NAME-BHARAT BHARTI SCHO CLASS-11th maths

S.NO.	STUDENT NAME	SEX	MEDI	EDUC.AC	SOCIAL ADJUSTMENT			TOTAL
					TDS	EAS	SMS	
1	YOGESH	M	H	68	9	23	49	81
2	SHIVAM	M	H	48	12	14	18	44
3	CHANDRASHEKHAR	M	H	39	11	12	16	39
4	AJAY SINGH	M	H	46	6	32	38	76
5	LALIT	M	H	64	13	11	3	27
6	JENENDRA	M	H	55	20	21	8	49
7	MITHLESH	M	H	60	18	30	38	86
8	RAJKUMAR	M	H	63	19	22	5	46
9	AAKASH	M	H	62	20	27	12	59
10	AAKASH DANGE	M	H	56	15	19	4	38
11	VIKRAM JAIN	M	H	54	18	16	10	44
12	PAVAN	M	H	39	20	28	10	58
13	ARUN	M	H	60	9	35	47	91
14	LALA	M	H	65	7	38	40	85
15	SURAJ	M	H	51	11	14	20	45
16	SHUBHAM	M	H	50	14	16	8	38
17	PRASHANT	M	H	60	18	20	9	47
18	KARAN	M	H	62	20	18	33	71
19	ABHIJIT	M	H	48	11	29	45	85
20	MAHENDRA	M	H	64	13	38	38	89

SCHOOL NAME-LIFE CAREER H.SEC. S CLASS-11th maths

S.NO.	STUDENT NAME	SEX	MEDIUI	EDUC. A	SOCIAL ADJUSTMENT			TOTAL
					TDS	EAS	SMS	
1	MAYUR SHAHU	M	E	89	7	11	21	39
2	PRANITA	F	E	55	14	17	15	46
3	KUNAL	M	E	54	11	12	58	81
4	PALAK	F	E	72	16	33	32	81
5	MANISH	M	E	66	7	9	33	49
6	DIPANSU	M	E	34	18	14	31	63
7	HARSHA	F	E	61	13	17	35	65
8	SHITAL	F	E	61	14	24	30	68
9	CHANDRAKANT	M	E	58	11	18	20	49
10	RANUKA	F	E	35	13	14	18	45
11	PAYAL	F	E	84	19	20	17	56
12	RAJNISH	M	E	57	18	30	43	91
13	DERSHAN	M	E	47	14	28	40	82
14	HIMANSHU	M	E	35	15	16	13	44
15	SUNITA VARMA	F	E	36	11	18	9	38
16	HEMA SHAHU	F	E	62	9	22	13	44
17	NIVEDITA	F	E	71	14	41	26	81
18	SARANG	M	E	56	16	16	7	39
19	JIGYANSU	M	E	53	11	13	22	46
20	NEHA	F	E	45	18	38	20	76

SCHOOL NAME-K.V.AMLA M P CLASS-11th maths

S.NO.	STUDENT NAME	SEX	MEDIUI	EDUC. A	SOCIAL ADJUSTMENT			TOTAL
					TDS	EAS	SMS	
1	ADITI PATHERIYA	F	E	72	16	23	39	78
2	PAYAL	F	E	69	19	36	26	81
3	AMBUJ	M	E	76	7	28	49	84
4	AAKASH SONI	M	E	63	5	24	20	49
5	HIMANU	M	E	62	13	48	7	68
6	AYAN	M	E	90	12	24	6	42
7	NITISH	M	E	57	7	19	30	56
8	HAMANT	M	E	63	20	16	5	41
9	AVANDITHI	F	E	76	8	13	14	35
10	KHUSBOO SONI	F	E	63	6	19	30	55
11	PRAFUL	M	E	63	18	25	23	66
12	TARUN	M	E	66	11	13	47	71
13	KASTUB	M	E	69	12	33	18	63
14	SHORYA SONI	M	E	61	12	16	39	67
15	KUNAL DEEP	M	E	68	9	15	52	76
16	VIJAY YADAV	M	E	66	14	18	27	59
17	NITIN KUMAR	M	E	68	20	34	27	81
18	ALAYAN	M	E	76	15	23	7	45
19	MUKAUL	M	E	55	13	18	17	48
20	SIVAM SHAHU	M	E	59	20	19	22	61

SCHOOL NAME-R D PUBLIC SCHOOL B CLASS-11th maths

S.NO.	STUDENT NAME	SEX	IEDIUI	EDUC. ACHIS	SOCIAL ADJUSTMENT			TOTAL SAS
					TDS	EAS	SMS	
1	NITYA PAWAR	F	E	70	16	23	39	78
2	PALASH	M	E	52	19	23	26	68
3	ANSHUL	M	E	87	7	36	49	92
4	PHILIP	M	E	52	5	28	20	53
5	SHUBHM	M	E	73	13	24	7	44
6	DIPANSU	M	E	64	12	48	6	66
7	NEHA	F	E	81	7	24	30	61
8	AALIYA ALI	F	E	77	20	19	5	44
9	NIKHIL	M	E	70	8	16	14	38
10	SHARDA	F	E	70	6	13	30	49
11	PRASHANT	M	E	47	18	19	23	60
12	NAMRATA	F	E	66	11	25	47	83
13	SHURTI	F	E	65	12	13	18	43
14	PRACHI	F	E	48	12	33	39	84
15	HAPPY	F	E	71	9	16	52	77
16	ABHISHEKH	M	E	55	14	15	27	56
17	PYUSH	M	E	89	20	18	27	65
18	KIRTI	F	E	69	15	34	7	56
19	HETVI	F	E	47	13	23	17	53
20	DIVYANSU	M	E	43	20	18	22	60

SCHOOL NAME-NAVODYA VIDYALAYA CLASS-11th maths

S.NO.	STUDENT NAME	SEX	IEDIUI	EDUC. ACHIS	SOCIAL ADJUSTMENT			TOTAL SAS
					TDS	EAS	SMS	
1	NITESH	M	E	58	11	25	40	76
2	AJAY	M	E	56	16	31	34	81
3	VISHAL	M	E	53	12	16	21	49
4	SHUBHAM	M	E	67	19	16	26	61
5	ROHIT	M	E	51	14	24	43	81
6	CHATAN	M	E	54	13	18	13	44
7	REENA	F	E	54	7	12	19	38
8	SHUBHANGI	F	E	66	20	31	33	84
9	SHIVANI	F	E	53	17	28	46	91
10	SANJANA	F	E	71	19	33	34	86
11	TEENA	F	E	75	20	27	12	59
12	KAPIL	M	E	60	20	31	8	59
13	YASHIKA	F	E	50	11	16	34	61
14	MEGENDRA	M	E	50	8	26	42	76
15	SHELENDRA	M	E	54	17	20	11	48
16	DEEPAJ	M	E	55	13	12	29	54
17	AMARDEEP	M	E	47	6	14	16	36
18	RISHABH	M	E	77	9	11	29	49
19	NAVIN	M	E	69	7	24	20	51
20	AMIT KUMAR	M	E	61	14	26	28	68

4.10 शोध के उद्देश्य-

- 1 विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि ज्ञात करना ।
- 2 विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि लिंग अनुसार ज्ञात करना ।
- 3 विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि प्रबंधन अनुसार ज्ञात करना ।
- 4 विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि प्रशासन अनुसार ज्ञात करना ।
- 5 विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि माध्यम अनुसार ज्ञात करना ।
- 6 विद्यार्थियों का सामाजिक समायोजन ज्ञात करना ।
- 7 विद्यार्थियों का सामाजिक समायोजन लिंग अनुसार ज्ञात करना
- 8 विद्यार्थियों का सामाजिक समायोजन प्रबंधन अनुसार ज्ञात करना ।
- 9 विद्यार्थियों का सामाजिक समायोजन प्रशासन अनुसार ज्ञात करना ।
- 10 विद्यार्थियों का सामाजिक समायोजन माध्यम अनुसार ज्ञात करना ।
- 11 विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य संबंध ज्ञात करना ।

4.11 शोध की परिकल्पनाएँ

परिकल्पनाएँ

प्रस्तुत शोध हेतु शून्य परिकल्पना का निर्माण किया है क्योंकि शोध में प्रयुक्त चर सामाजिक समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के संबंध में कोई सही दिशा प्राप्त न होने के कारण शोधार्थी ने अपने अनुभव एवं ज्ञान के अनुसार शून्य परिकल्पना का निर्माण किया है।

शून्य परिकल्पनाएँ जो निम्नलिखित हैं:-

अ शोध की परिकल्पनाएँ

- 1अ- छात्र की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।
- 2अ- छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।
- 3अ- शासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।
- 4अ- अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।
- 5अ- सी.बी.एस.ई. विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।
- 6अ- म.प्र. बोर्ड विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

- 7अ- हिन्दी माध्यम विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।
- 8अ- अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।
- 9अ- विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

स शोध की उप.परिकल्पनाएँ

- 1.ब- छात्र-छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।
- 2.ब- छात्र-छात्राओं के सामाजिक समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं है।
- 3.ब- शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।
- 4.ब- शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की सामाजिक समोजन में सार्थक अन्तर नहीं है।
- 5.ब- केन्द्रिय माध्यमिक शिक्षा मण्डल, दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल के शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर है।
- 6.ब- केन्द्रिय माध्यमिक शिक्षा मण्डल, दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल के सामाजिक समायोजन में सार्थक अंतर नहीं है।
- 7.ब- हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं है।
- 8.ब- हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के सामाजिक समायोजन में सार्थक अंतर नहीं है।

4.2 प्रथम भाग-न्यादर्श का विवरण

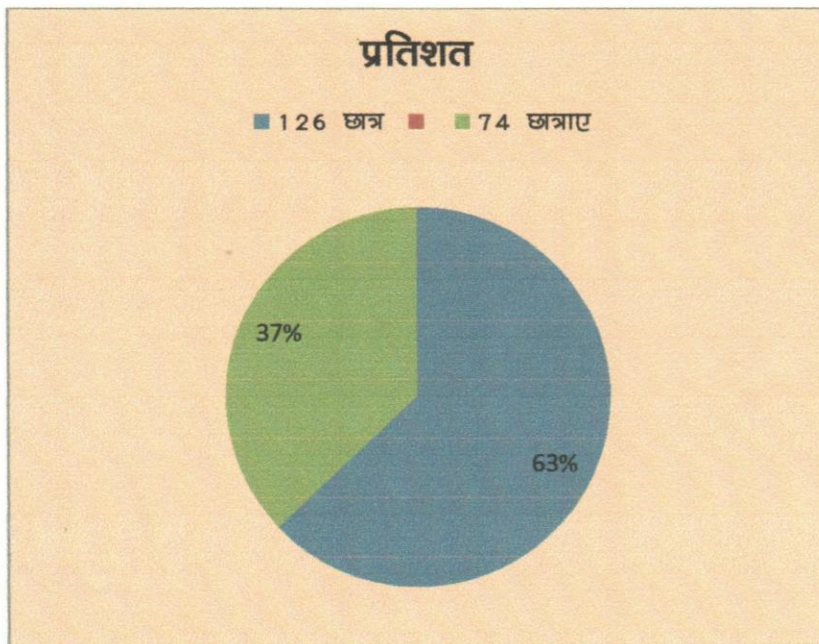
तालिका क्रमांक -3

विद्यार्थियों की संख्या

क्र.	विद्यार्थियों की संख्या	लिंग	प्रतिशत
1	126	छात्र	63
2	74	छात्राए	37

प्रस्तुत तालिका अनुसार ज्ञात होता है कि शोध में विद्यार्थियों की संख्या कुल 200 है इसमें छात्रों की संख्या 126 एवं छात्राओं की संख्या 74 है। शोध में विद्यार्थियों को लिंग अनुसार तालिका में विभाजित किया गया है।

ग्राफ क्रमांक -1



प्रस्तुत ग्राफ अनुसार ज्ञात होता है कि छात्रों की संख्या छात्राओं की संख्या से अधिक है शोध के कुल 10 विद्यालयों में से प्राप्त विद्यार्थियों को ग्राफ अनुसार दर्शाया गया है।

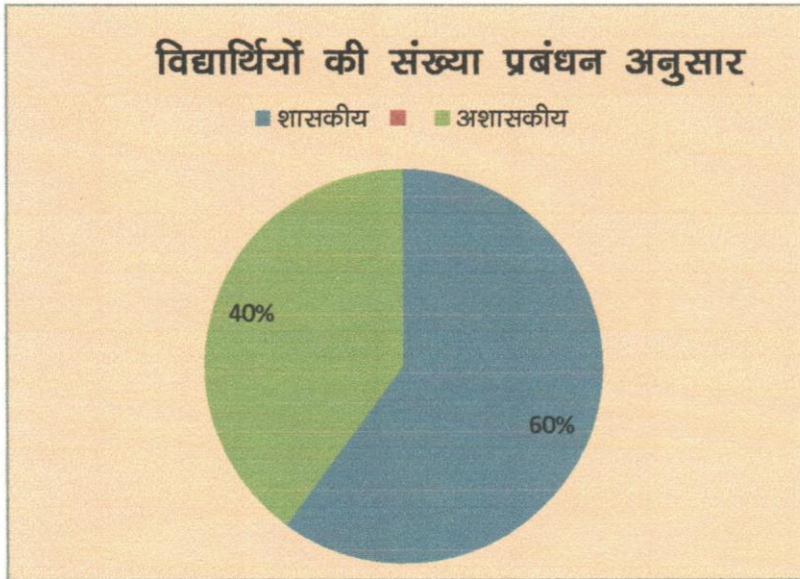
तालिका क्रमांक -4

प्रबंधन अनुसार विद्यालय

क्रं.	प्रबंधन	विद्यार्थियों की संख्या	प्रतिशत
1	शासकीय	120	60
2	अशासकीय	80	40

प्रस्तुत तालिका अनुसार ज्ञात होता है कि शासकीय प्रबंधन अनुसार विद्यार्थियों की संख्या 120 है एवं अशासकीय प्रबंधन अनुसार विद्यार्थियों की संख्या 80 है।

ग्राफ क्रमांक -2



प्रस्तुत ग्राफ अनुसार ज्ञात होता है कि शोध में शासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों का प्रतिशत 60 है एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों का प्रतिशत 40 है शोध हेतु दोनों प्रबंधन के विद्यालयों को लिया गया है।

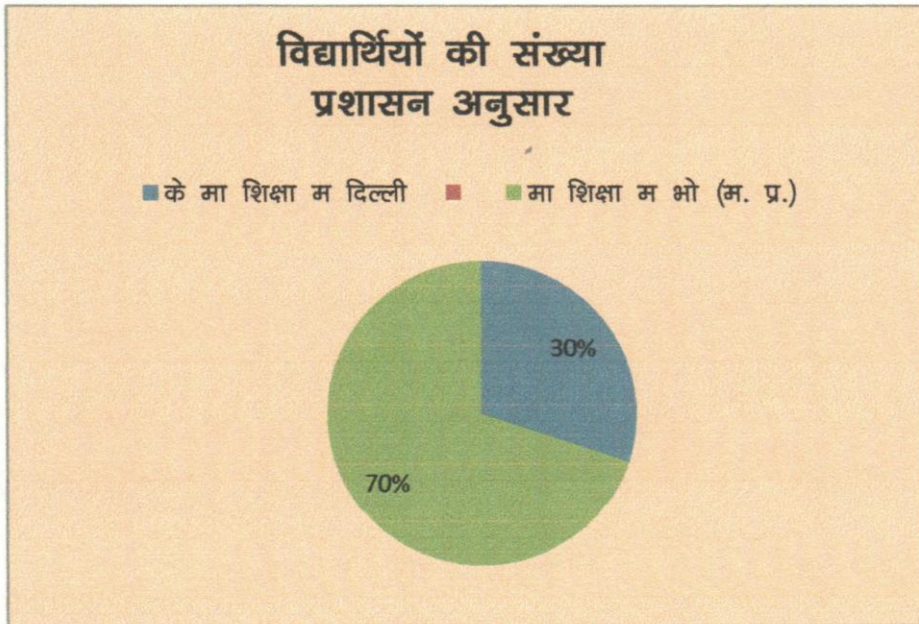
तालिका क्रमांक -5

प्रशासन अनुसार विद्यालय

क्रं.	प्रशासन	विद्यार्थियों की संख्या	प्रतिशत
1	के.मा.शि.म.दिल्ली	60	30
2	मा.शि.म.भोपाल (म.प्र.)	140	70

प्रस्तुत तालिका अनुसार ज्ञात होता है कि शिक्षा के प्रशासन अनुसार विद्यालयों को दो भागों में बांटा गया है प्रथम केन्द्रिय माध्यमिक शिक्षा मण्डल, दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल (म.प्र.) इनके विद्यार्थियों की संख्या क्रमशः 60 एवं 140 है।

ग्राफ क्रमांक -3



प्रस्तुत ग्राफ अनुसार ज्ञात होता है केन्द्रिय माध्यमिक शिक्षा मण्डल के विद्यार्थियों का प्रतिशत 30 है एवं माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल के विद्यार्थियों का प्रतिशत 70 है कि शोध में बहुत महत्वपूर्ण स्थान रखते है।

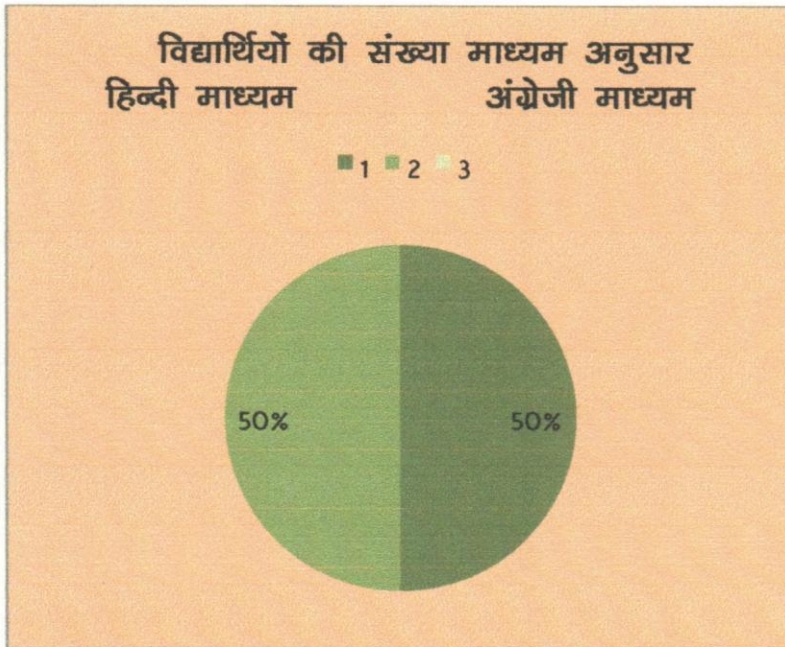
तालिका क्रमांक -6

माध्यम अनुसार विद्यालय

कं.	माध्यम	विद्यार्थियों की संख्या	प्रतिशत
1	हिन्दी माध्यम	100	50
2	अंग्रेजी माध्यम	100	50

प्रस्तुत तालिका अनुसार ज्ञात होता है कि शोध में हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की संख्या क्रमशः 100-100 है।

ग्राफ क्रमांक -4



प्रस्तुत ग्राफ अनुसार ज्ञात होता है कि शोध में विद्यार्थियों की संख्या का प्रतिशत क्रमशः 50-50 है जिन्हें हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम अनुसार बांटा गया है। शोध में दोनों माध्यम के विद्यार्थियों को लिया गया है।

द्वितीय भाग- चरों के मध्य संबंध

इस भाग में चरों के मध्य संबंध ज्ञात करने हेतु दो स्वतंत्र चरों सामाजिक समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि का संबंध एक आश्रित चर छात्र, छात्रा, शासकीय, अशासकीय, हिन्दी, अंग्रेजी, सी.बी.एस.ई. और म.प्र. बोर्ड के माध्यम से प्राप्त किया गया है।

उद्देश्य-2 विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि लिंग अनुसार ज्ञात करना।

उद्देश्य-7 विद्यार्थियों का सामाजिक समायोजन लिंग अनुसार ज्ञात करना

तालिका क्रमांक -7

कं.	समूह	संख्या	शैक्षिक उपलब्धि	मध्यमान	सामाजिक समायोजन	मध्यमान
1	छात्र	126	7213	57.24	7982	63.34
2	छात्रा	74	4239	57.36	4774	64.51

प्रस्तुत तालिका अनुसार हम परिकल्पना के लिए छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन हेतु छात्र एवं छात्राओं के मध्य संबंध देखने के लिए चरों का मध्यमान ज्ञात किया गया है जिसका छात्रों की संख्या अनुसार औसत नीचे ग्राँफ की सहायता से प्रस्तुत किया गया है।

परिकल्पना .1अ- छात्र की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

तालिका क्रमांक -8

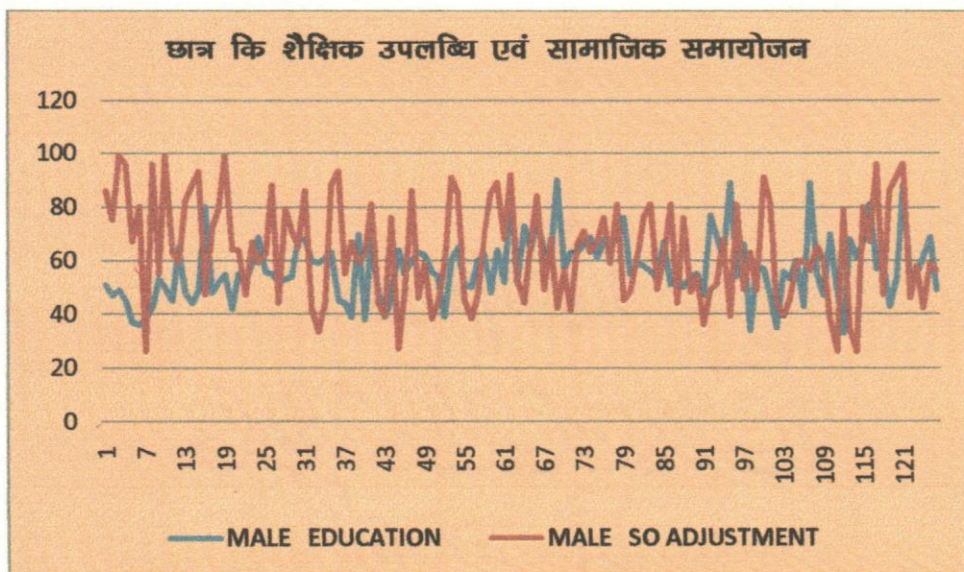
समूह	संख्या	शैक्षिक उपलब्धि	मध्यमान	सामाजिक समायोजन	मध्यमान
छात्र	126	7213	57.24	7982	63.34

तालिका क्रमांक -9

सहसंबंध सार्थकता

आवृत्ति	चर	मध्यमान	सहसंबंध	सार्थकता का स्तर
126	शैक्षिक उपलब्धि	57.24	-0.094	सार्थक संबंध नहीं है।
	सामाजिक समायोजन	63.34		

ग्राफ क्रमांक -5



Df=124

0.05 स्तर पर .174

0.01 स्तर पर .228

परिकल्पना की जाँच करने हेतु कार्लपियर्सन सहसंबंध संख्यिकी विधि का प्रयोग किया गया है। इसमें पाया गया है कि दोनों चरों के बीच -0.094 का सहसंबंध प्राप्त हुआ है जो कि ऋणात्मक सहसंबंध है। सहसंबंध गुणांक r के मूल्य के लिये निश्चित डी.एफ. ($d.f=124$) का मान देखकर ज्ञात होता है कि r का मान सारणी के मान से दोनों स्तरों पर 0.05 स्तर पर .174 एवं 0.01 स्तर पर .228 मान से कम प्राप्त हुआ है इसलिये दोनों चरों शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक सहसंबंध नहीं है।

निष्कर्ष-शोध से हम कह सकते हैं कि “ छात्र की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य संबंध ऋणात्मक है”। इस प्रकार प्रस्तुत r का मान अनुसार हम कह सकते हैं कि छात्र की शैक्षिक उपलब्धि बढ़ाने के लिए सामाजिक समायोजन होना आवश्यक नहीं है।

परिकल्पना परीक्षण -शोध से सहसंबंध ऋणात्मक होने के कारण हम शून्य परिकल्पना को स्वीकृत करते हैं।

परिकल्पना .2अ- छात्राओ कि शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

तालिका क्रमांक -10

समूह	संख्या	शैक्षिक उपलब्धि	मध्यमान	सामाजिक समायोजन	मध्यमान
छात्राएँ	74	4239	57.28	4774	64.51

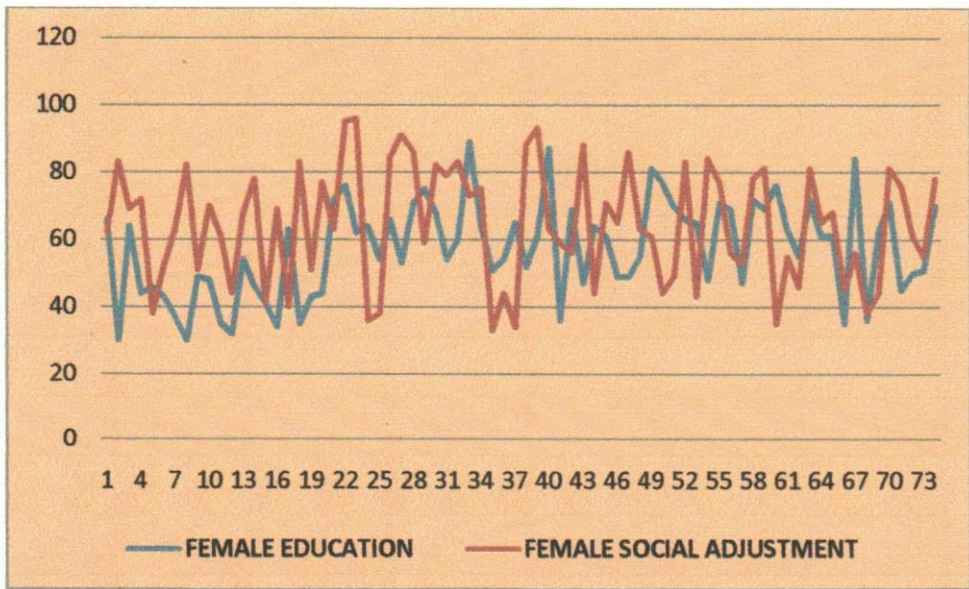
प्रस्तुत तालिका अनुसार हम परिकल्पना के लिए छात्राओ की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन हेतु छात्राओ के मध्य संबंध देखने के लिए चरों का मध्यमान ज्ञात किया गया है जिसका छात्राओ की संख्या अनुसार नीचे संबंध प्रस्तुत किया गया है।

तालिका क्रमांक -11

सहसंबंध सार्थकता

आवृति	चर	मध्यमान	सहसंबंध	सार्थकता का स्तर
74	शैक्षिक उपलब्धि	57.28	0.050	सार्थक संबंध नहीं है।
	सामाजिक समायोजन	64.51		

ग्राफ क्रमांक -6



Df=72

0.05 स्तर पर .232

0.01 स्तर पर .302

दोनों चरो के बीच 0.050का सहसंबंध प्राप्त हुआ है जो कि नाम मात्र धनात्मक सहसंबंध है। सहसंबंध गुणांक r के मूल्य के लिये निश्चित डी.एफ. (d.f.=72) का मान देखकर ज्ञात होता है कि r का मान सारणी के मान से दोनो स्तरो पर 0.05 स्तर पर .232 एवं 0.01 स्तर पर .302केमान से कम प्राप्त हुआ है इसलिये दोनो चरों शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजनके मध्य सार्थक सहसंबंध नहीं है।

निष्कर्ष- शोध से हम कह सकते है कि “विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य संबंधनाम मात्र धनात्मक सहसंबंधहै”। इस प्रकार प्रस्तुत r मान अनुसार हम कह सकते हैं कि विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि बढ़ाने के लिए सामाजिक समायोजन होना आवश्यक नहीं है।

परिकल्पना परीक्षण -शोध से सहसंबंध कम मात्रा मे होने के कारण हम शून्य परिल्पना को स्वीकृत करते है।

उद्देश्य-3 विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि प्रबंधन अनुसार ज्ञात करना।

उद्देश्य-8 विद्यार्थियों का सामाजिक समायोजन प्रबंधन अनुसार ज्ञात करना।

तालिका क्रमांक -12

क्रं.	प्रबंधन	संख्या	शैक्षिक उपलब्धि	मध्यमान	सामाजिक समायोजन	मध्यमान
1	शासकीय	120	6722	56.01	7931	66.09
2	अशासकीय	80	4736	59.20	4825	60.31

परिकल्पना .3अ- शासकीय विद्यालय अनुसार विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

तालिका क्रमांक -13

समूह	संख्या	शैक्षिक उपलब्धि	मध्यमान	सामाजिक समायोजन	मध्यमान
शासकीय	120	6722	56.01	7931	66.09

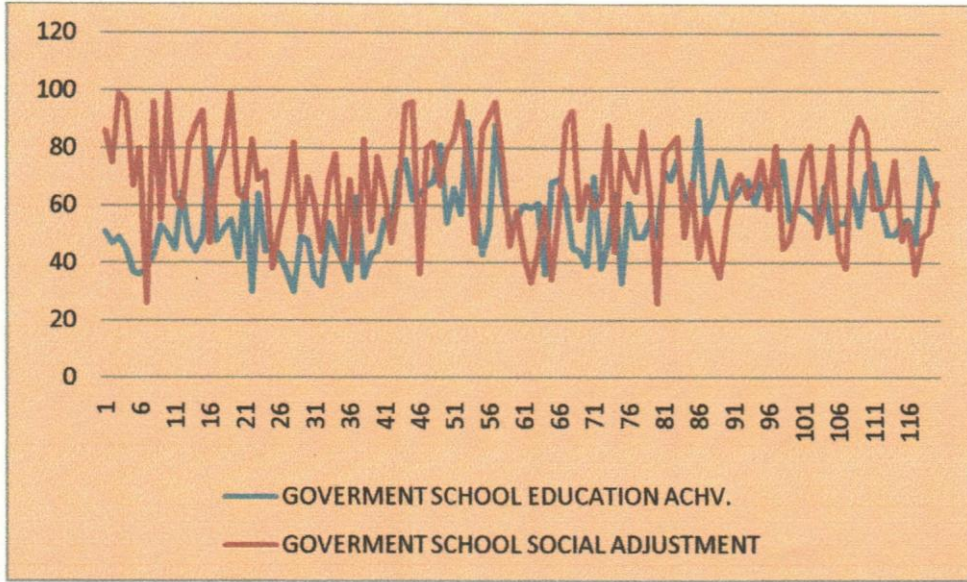
प्रस्तुत तालिका अनुसार हम परिकल्पना के लिए शासकीय विद्यालय अनुसार विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य संबंध देखने के लिए चरों का मध्यमान ज्ञात किया गया है जिसका संबंध विद्यार्थियों की संख्या अनुसार नीचे प्रस्तुत किया गया है।

तालिका क्रमांक -14

शासकीय प्रबंधन अनुसार सहसंबंध सार्थकता

आवृत्ति	चर	मध्यमान	सहसंबंध	सार्थकता का स्तर
120	शैक्षिक उपलब्धि	56.01	-0.087	सार्थक संबंध नहीं है।
	सामाजिक समायोजन	66.09		

ग्रॉफ क्रमांक -7



Df=118

0.05 स्तर पर .174

0.01 स्तर पर .228

दोनों चरो के बीच-0.087 का सहसंबंध प्राप्त हुआ है जो कि ऋणात्मक सहसंबंध

है। सहसंबंध गुणांक r के मूल्य के लिये निश्चित डी.एफ. (d.f.=118) का मान देखकर ज्ञात

होता है कि r का मान सारणी के मान से दोनो स्तरों पर 0.05 स्तर पर .174 एवं .01 स्तर पर .228 के मान से कम प्राप्त हुआ है इसलिये दोनो चरों शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक सहसंबंध नहीं है।

निष्कर्ष-शोध से हम कह सकते हैं कि “विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य संबंध ऋणात्मक सहसंबंध है”। इस प्रकार प्रस्तुत r मान अनुसार हम कह सकते हैं कि विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि बढ़ाने के लिए सामाजिक समायोजन होना आवश्यक नहीं है।

परिकल्पना परीक्षण -शोध से सहसंबंध कम मात्रा में होने के कारण हम शून्य परिकल्पना को स्वीकृत करते हैं।

परिकल्पना .4अ-अशासकीय विद्यालय अनुसार विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

तालिका क्रमांक -15

समूह	संख्या	शैक्षिक उपलब्धि	मध्यमान	सामाजिक समायोजन	मध्यमान
अशासकीय	80	4736	59.20	4825	60.31

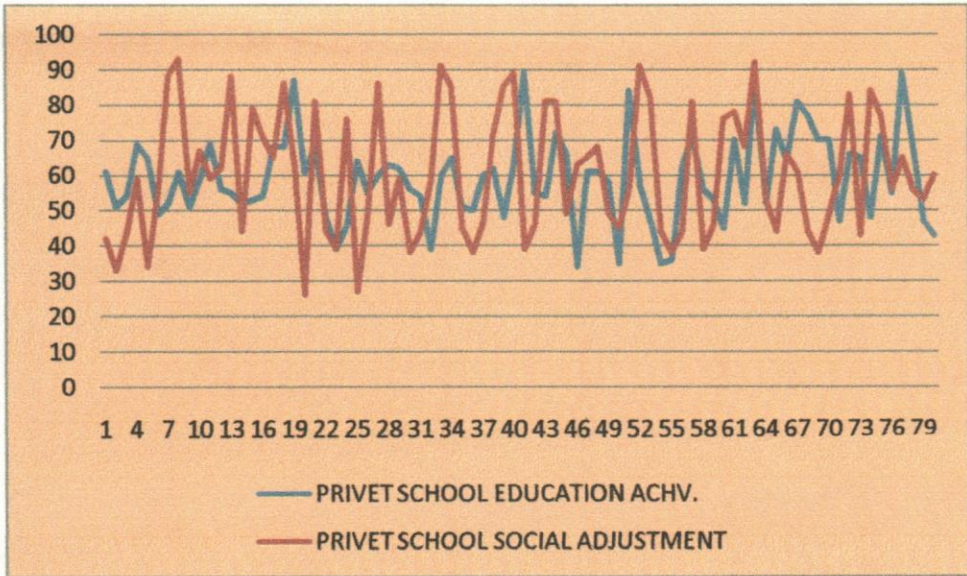
प्रस्तुत तालिका अनुसार हम परिकल्पना के लिए अशासकीय विद्यालय अनुसार विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य संबंध देखने के लिए चरों का मध्यमान ज्ञात किया गया है जिसका संबंध विद्यार्थियों की संख्या अनुसार नीचे प्रस्तुत किया गया है।

तालिका क्रमांक -16

अशासकीय प्रबंधन अनुसार सहसंबंध सार्थकता

आवृत्ति	चर	मध्यमान	सहसंबंध	सार्थकता का स्तर
80	शैक्षिक उपलब्धि	59.20	0.116	सार्थक संबंध नहीं है।
	सामाजिक समायोजन	60.31		

ग्रॉफ क्रमांक -8



Df=78

0.05 स्तर पर .217

0.01 स्तर पर .283

दोनों चरो के बीच 0.116 का सहसंबंध प्राप्त हुआ है जो कि नाम मात्र धनात्मक सहसंबंध है। सहसंबंध गुणांक r के मूल्य के लिये निश्चित डी.एफ. (d.f.=78) का मान देखकर ज्ञात होता है कि r का मान सारणी के मान से दोनो स्तरो पर 0.05 स्तर पर .217 एवं .01 स्तर पर .283 के मान से कम प्राप्त हुआ है इसलिये दोनो चरों शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक सह संबंध धनात्मक नाम मात्र है।

निष्कर्ष—शोध से हम कह सकते हैं कि “विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य धनात्मक सहसंबंध है”। इस प्रकार प्रस्तुत r मान अनुसार हम कह सकते हैं कि विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि बढ़ाने के लिए सामाजिक समायोजन होना आवश्यक नहीं है।

परिकल्पना परीक्षण—शोध से सहसंबंध कम मात्रा में होने के कारण हम शून्य परिकल्पना को स्वीकृत करते हैं।

उद्देश्य-4 विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि प्रशासन अनुसार ज्ञात करना।

उद्देश्य-9 विद्यार्थियों का सामाजिक समायोजन प्रशासन अनुसार ज्ञात करना।

तालिका क्रमांक -17

प्रशासन अनुसार विद्यालय

क्रं.	प्रशासन	विद्यार्थियों की संख्या	शैक्षिक उपलब्धि	मध्यमान	सामाजिक समायोजन	मध्यमान
1	CBSE	60	3819	63.65	3708	61.8
2	M.P.BOARD	140	7639	54.56	9048	64.62

परिकल्पना .5अ-सी.बी.एस.ई. विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं

सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

तालिका क्रमांक -18

समूह	संख्या	शैक्षिक उपलब्धि	मध्यमान	सामाजिक समायोजन	मध्यमान
CBSE	60	3819	63.65	3708	61.8

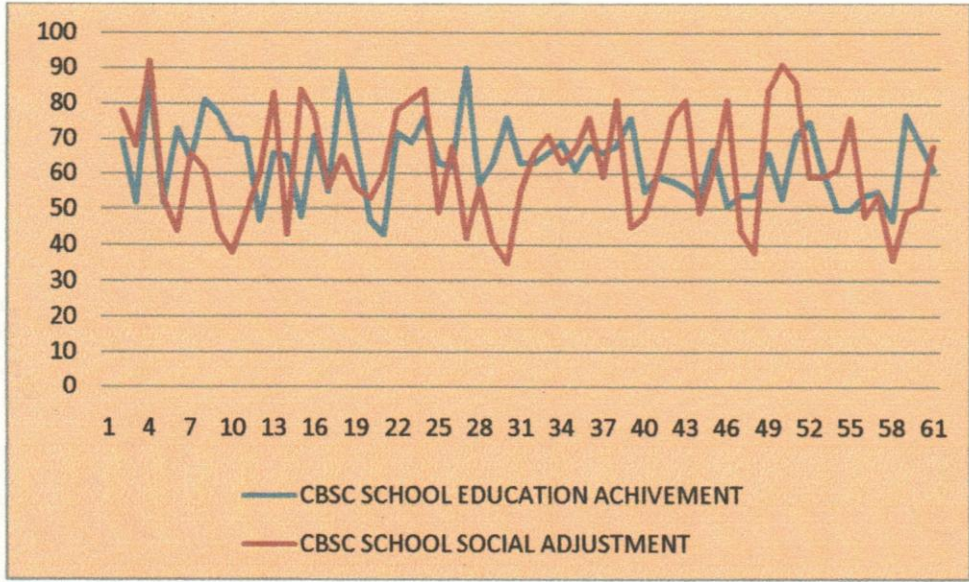
प्रस्तुत तालिका अनुसार हम परिकल्पना के लिए सी.बी.एस.ई.विद्यालय के विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य संबंध देखने के लिए चरों का मध्यमान ज्ञात किया गया है जिसका संबंध विद्यार्थियों की संख्या अनुसार नीचे प्रस्तुत किया गया है।

तालिका क्रमांक -19

के मा शिक्षा म दिल्ली प्रशासन अनुसार सहसंबंध सार्थकता

आवृत्ति	चर	मध्यमान	सहसंबंध	सार्थकता का स्तर
60	शैक्षिक उपलब्धि	63.65	0.024	सार्थक संबंध नहीं है।
	सामाजिक समायोजन	61.8		

ग्राफ क्रमांक -9



Df=58

0.05 स्तर पर .250

0.01 स्तर पर .325

दोनों चरों के बीच 0.024 का सहसंबंध प्राप्त हुआ है जो कि नाम मात्र धनात्मक सहसंबंध है। सहसंबंध गुणांक r के मूल्य के लिये निश्चित डी.एफ. (d.f.=58) का मान देखकर ज्ञात होता है कि r का मान सारणी के मान से दोनों स्तरों पर 0.05 स्तर पर .250 एवं .01 स्तर पर .325 के मान से कम प्राप्त हुआ है इसलिये दोनों चरों शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक सहसंबंध नहीं है।

निष्कर्ष-शोध से हम कह सकते हैं कि “विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य संबंध नाम मात्र धनात्मक सहसंबंध है”। इस प्रकार प्रस्तुत r मान अनुसार हम कह सकते हैं कि विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि बढ़ाने के लिए सामाजिक समायोजन होना आवश्यक नहीं है।

परिकल्पना परीक्षण -शोध से सहसंबंध कम मात्रा में होने के कारण हम शून्य परिकल्पना को स्वीकृत करते हैं।

परिकल्पना .6अ- म.प्र. बोर्ड विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

तालिका क्रमांक -20

समूह	संख्या	शैक्षिक उपलब्धि	मध्यमान	सामाजिक समायोजन	मध्यमान
M.P.BOARD	140	7639	54.56	9048	64.62

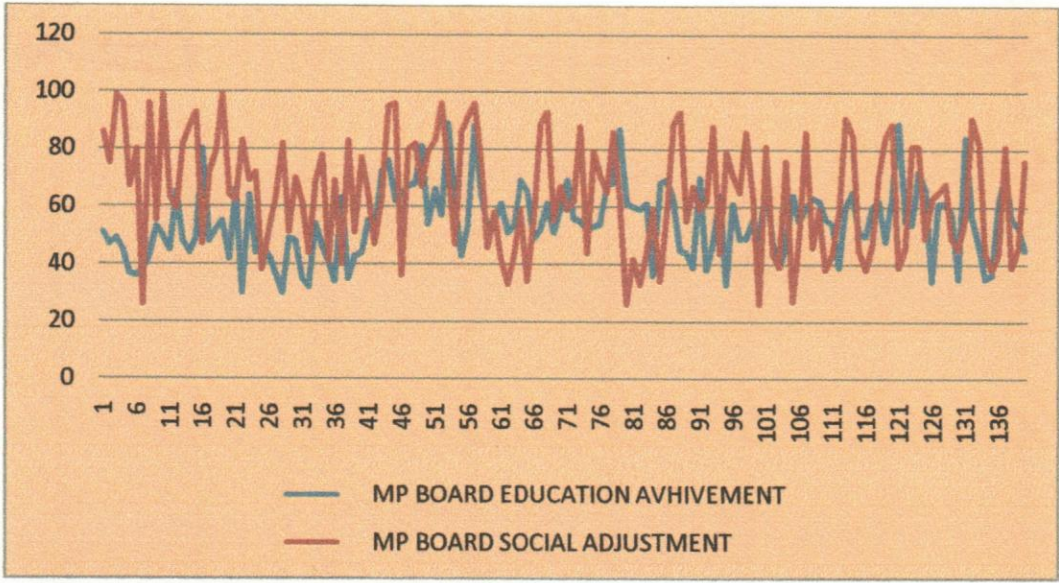
प्रस्तुत तालिका अनुसार हम परिकल्पना के लिए म.प्र. बोर्ड विद्यालय के विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य संबंध देखने के लिए चरों का मध्यमान ज्ञात किया गया है जिसका संबंध विद्यार्थियों की संख्या अनुसार नीचे प्रस्तुत किया गया है।

तालिका क्रमांक -21

मा शिक्षा म भो (म. प्र.)प्रशासनअनुसार सहसंबंध सार्थकता

आवृत्ति	चर	मध्यमान	सहसंबंध	सार्थकता का स्तर
140	शैक्षिक उपलब्धि	54.56	-0.013	सार्थक संबंध नहीं है।
	सामाजिक समायोजन	64.62		

ग्राफ क्रमांक -10



Df=138

0.05 स्तर पर .208

0.01 स्तर पर .159

दोनों चरों के बीच-0.013 का सहसंबंध प्राप्त हुआ है जो कि ऋणात्मक सहसंबंध है। सहसंबंध गुणांक r के मूल्य के लिये निश्चित डी.एफ. (d.f.=138) का मान देखकर ज्ञात होता है कि r का मान सारणी के मान से दोनो स्तरों पर 0.05 स्तर पर .208 एवं .01 स्तर पर .159के मान से कम प्राप्त हुआ है इसलिये दोनो चरों शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक सहसंबंध नहीं है।

निष्कर्ष-शोध से हम कह सकते हैं कि “विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य संबंध ऋणात्मक सहसंबंध है”। इस प्रकार प्रस्तुत r मान अनुसार हम कह सकते हैं कि विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि बढ़ाने के लिए सामाजिक समायोजन होना आवश्यक नहीं है।

परिकल्पना परीक्षण -शोध से सहसंबंध कम मात्रा में होने के कारण हम शून्य परिकल्पना को स्वीकृत करते हैं।

उद्देश्य-5 विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि माध्यम अनुसार ज्ञात करना।

उद्देश्य-10 विद्यार्थियों का सामाजिक समायोजन माध्यम अनुसार ज्ञात करना।

तालिका क्रमांक -22

माध्यम अनुसार विद्यार्थियों की संख्या

कं.	माध्यम	विद्यार्थियों की संख्या	शैक्षिक उपलब्धि	मध्यमान	सामाजिक समायोजन	मध्यमान
1	हिन्दी माध्यम	100	5229	52.29	6405	64.05
2	अंग्रेजी माध्यम	100	6229	62.29	6351	63.51

परिकल्पना .7अ- हिन्दी माध्यम विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

तालिका क्रमांक -23

समूह	संख्या	शैक्षिक उपलब्धि	मध्यमान	सामाजिक समायोजन	मध्यमान
हिन्दी माध्यम	100	5229	52.29	6405	64.05

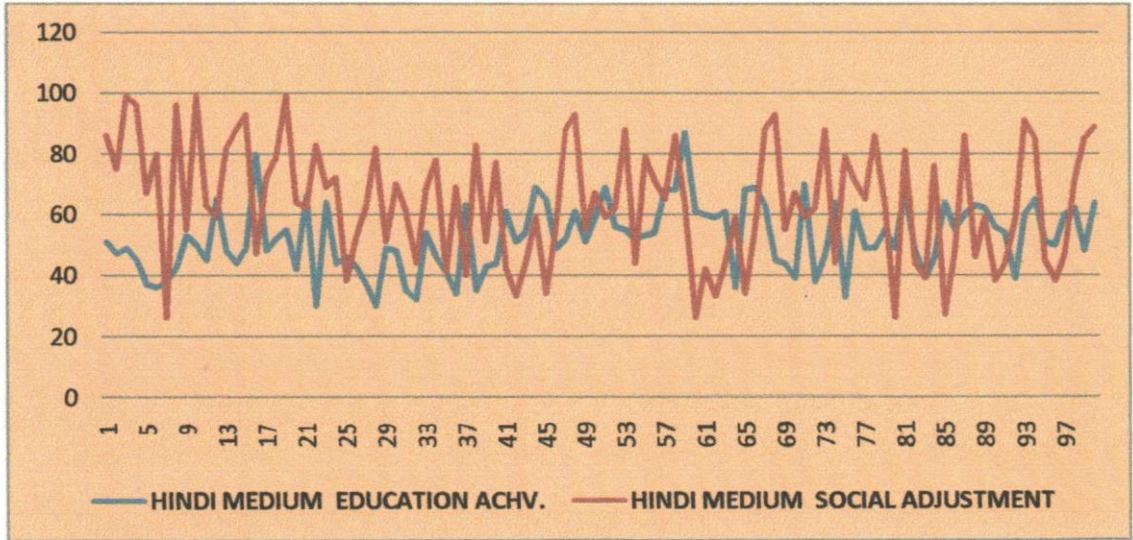
प्रस्तुत तालिका अनुसार हम परिकल्पना के लिए हिन्दी माध्यम विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य संबंध देखने के लिए चरों का मध्यमान ज्ञात किया गया है जिसका संबंध विद्यार्थियों की संख्या अनुसार नीचे प्रस्तुत किया गया है।

तालिका क्रमांक -24

हिन्दी माध्यम अनुसार सहसंबंध सार्थकता

आवृत्ति	चर	मध्यमान	सहसंबंध	सार्थकता का स्तर
100	शैक्षिक उपलब्धि	52.29	-0.147	सार्थक संबंध नहीं है।
	सामाजिक समायोजन	64.05		

ग्रॉफ क्रमांक -11



Df=98

0.05 स्तर पर .205

0.01 स्तर पर .267

दोनों चरों के बीच-0.147 का सहसंबंध प्राप्त हुआ है जो कि ऋणात्मक सहसंबंध है। सहसंबंध गुणांक r के मूल्य के लिये निश्चित डी.एफ. (d.f.=98) का मान देखकर ज्ञात होता है कि r का मान सारणी के मान से दोनो स्तरों पर 0.05 स्तर पर .205 एवं .01 स्तर पर .267 के मान से कम प्राप्त हुआ है इसलिये दोनो चरों शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक सहसंबंध नहीं है।

निष्कर्ष-शोध से हम कह सकते हैं कि “विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य संबंध ऋणात्मक सहसंबंध है”। इस प्रकार प्रस्तुत r मान अनुसार हम कह सकते हैं कि विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि बढ़ाने के लिए सामाजिक समायोजन होना आवश्यक नहीं है।

परिकल्पना परीक्षण -शोध से सहसंबंध कम मात्रा में होने के कारण हम शून्य परिकल्पना को स्वीकृत करते हैं।

परिकल्पना .8अ- अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

तालिका क्रमांक -25

समूह	संख्या	शैक्षिक उपलब्धि	मध्यमान	सामाजिक समायोजन	मध्यमान
अंग्रेजी माध्यम	100	6229	62.29	6351	63.51

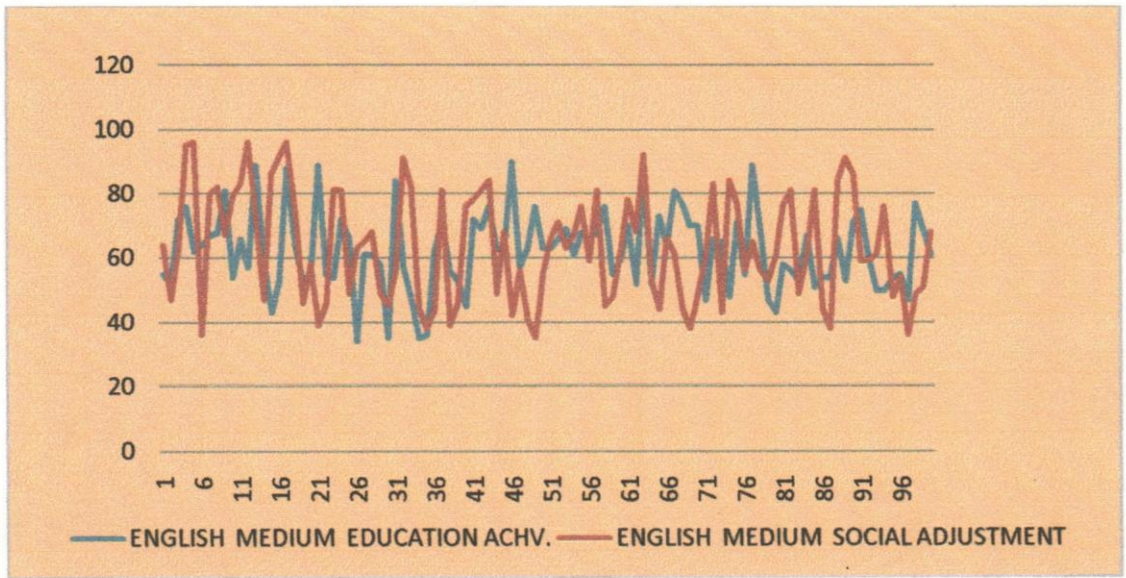
प्रस्तुत तालिका अनुसार हम परिकल्पना के लिए अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य संबंध देखने के लिए चरों का मध्यमान ज्ञात किया गया है जिसका संबंध विद्यार्थियों की संख्या अनुसार नीचे प्रस्तुत किया गया है।

तालिका क्रमांक -26

अंग्रेजीमाध्यम अनुसार सहसंबंध सार्थकता

आवृत्ति	चर	मध्यमान	सहसंबंध	सार्थकता का स्तर
100	शैक्षिक उपलब्धि	62.29	0.105	सार्थक संबंध नहीं है।
	सामाजिक समायोजन	63.51		

ग्राफ क्रमांक -12



Df=98

0.05 स्तर पर .195

0.01 स्तर पर .254

दोनों चरों के बीच 0.105 का सहसंबंध प्राप्त हुआ है जो कि नाम मात्र धनात्मक सहसंबंध है। सहसंबंध गुणांक r के मूल्य के लिये निश्चित डी.एफ. (d.f.=98) का मान देखकर ज्ञात होता है कि r का मान सारणी के मान से दोनों स्तरों पर 0.05 स्तर पर .195 एवं .01

स्तर पर .254केमान से कम प्राप्त हुआ है इसलिये दोनो चरों शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक सहसंबंध नही है।

निष्कर्ष- शोध से हम कह सकते है कि “विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य संबंधनाम मात्र धनात्मक सहसंबंधहै”। इस प्रकार प्रस्तुत र मान अनुसार हम कह सकते हैं कि विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि बढ़ाने के लिए सामाजिक समायोजन होना आवश्यक नहीं है।

परिकल्पना परीक्षण -शोध से सहसंबंध कम मात्रा मे होन के कारण हम शून्य परिकल्पना को स्वीकृत करते है।

उद्देश्य-1 विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि ज्ञात करना।

उद्देश्य-6 विद्यार्थियों का सामाजिक समायोजन ज्ञात करना।

परिकल्पना 9अ- विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

तालिका क्रमांक -27

विद्यार्थियों कि संख्या	शैक्षिक उपलब्धि	विद्यार्थियों कि संख्या	सामाजिक समायोजन
200	11452	200	12756

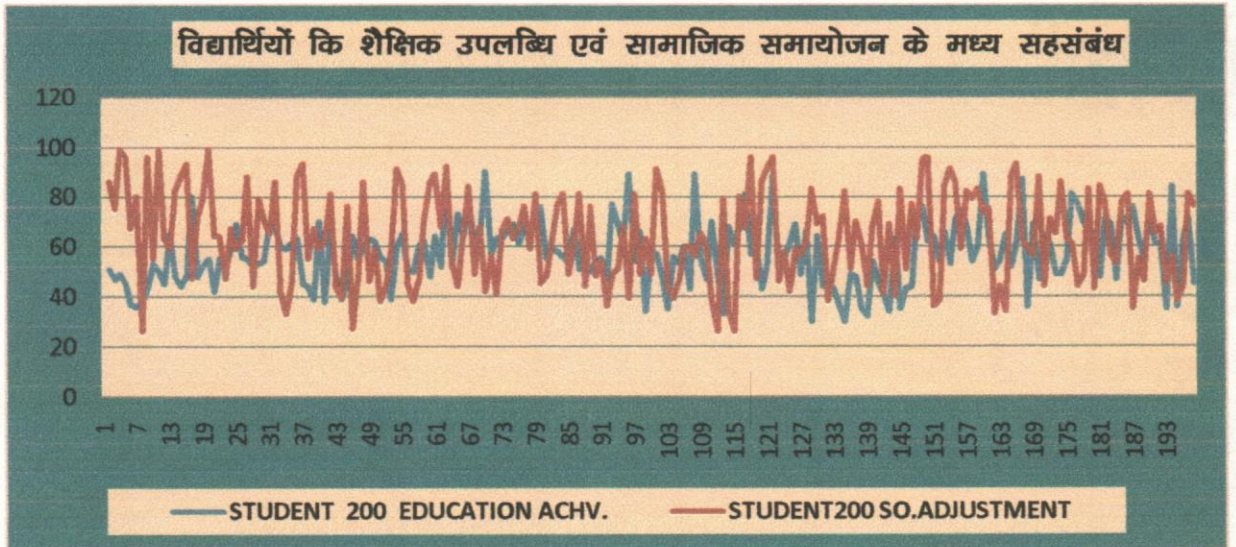
प्रस्तुत तालिका अनुसार हम परिकल्पना के लिए विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य संबंध देखने के लिए चरों का मध्यमान ज्ञात किया गया है जिसका संबंध विद्यार्थियों की संख्या अनुसार नीचे प्रस्तुत किया गया है।

तालिका क्रमांक -28

विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सहसंबंध सार्थकता

आवृत्ति	चर	कुल	मध्यमान	सहसंबंध	सार्थकता का स्तर
200	शैक्षिक उपलब्धि	11452	57.29	-0.02	सार्थक संबंध नहीं है।
	सामाजिक समायोजन	12756	63.78		

ग्रॉफ क्रमांक -13



Df=198

0.05 स्तर पर .138

0.01 स्तर पर .181

दोनों चरों के बीच-0.02 का सहसंबंध प्राप्त हुआ है जो कि ऋणात्मक सहसंबंध है। सहसंबंध गुणांक r के मूल्य के लिये निश्चित डी.एफ. (d.f.=198) का मान देखकर ज्ञात होता है कि $r=-0.02$ का मान सारणी के मान से दोनो स्तरों पर 0.05 स्तर पर .138 एवं .01 स्तर पर .181 के मान से कम प्राप्त हुआ है इसलिये दोनो चरों शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजनके मध्य सार्थक सहसंबंध नहीं है।

निष्कर्ष-शोध से हम कह सकते है कि “विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य संबंध ऋणात्मक सहसंबंध है”। इस प्रकार प्रस्तुत r मान अनुसार हम कह सकते हैं कि विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि बढ़ाने के लिए सामाजिक समायोजन होना आवश्यक नहीं है।

परिकल्पना परीक्षण -शोध से सहसंबंध सार्थक संबंध नहीं होन के कारण हम शून्य परिकल्पना को स्वीकृत करते है।

भाग तीन-चरों के मध्य अंतर

प्रस्तुत भाग तीन में शोध के चरों के मध्य अंतर का ज्ञात किया गया है।

इस भाग में दो आश्रित चरों के मध्य एक स्वतंत्र चर के माध्यम से सार्थक अंतर है या नहीं यह ज्ञात किया गया है। सभी चरों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के अनुसार सार्थक अंतर की गणना की गई लें

अन्य चर

- | | |
|------------------------|---------------------------|
| 1. छात्र | 2. छात्रा |
| 3. शासकीय विद्यालय | 4. अशासकीय विद्यालय |
| 5. के.मा.शि.मं. दिल्ली | 6. मा.शि.मं. भोपाल म.प्र. |
| 7. हिन्दी माध्यम | 8 अंग्रेजी माध्यम |

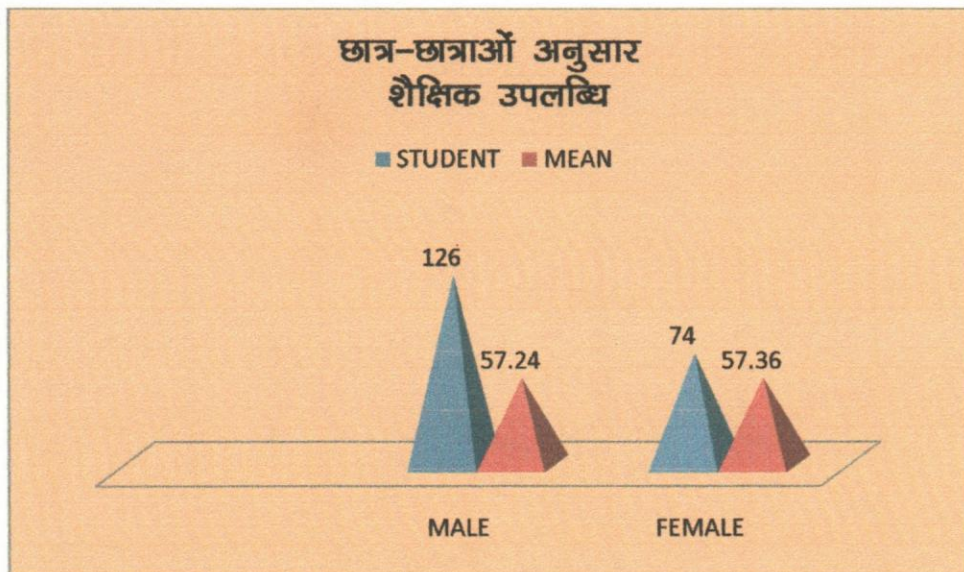
परिकल्पना .1ब- छात्र-छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका क्रमांक -29

कं.	समूह	संख्या	शैक्षिक उपलब्धि	मध्यमान
1	छात्र	126	7213	57.24
2	छात्रा	74	4239	57.36

प्रस्तुत तालिका अनुसार हम परिकल्पना के लिए छात्र-छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर देखने के लिए चरों का मध्यमान ज्ञात किया गया है जिसका औसत मान विद्यार्थियों की संख्या अनुसार नीचे ग्राॅफ की सहायता से प्रस्तुत किया गया है।

ग्राॅफ क्रमांक -14



तालिका क्रमांक -30

छात्र-छात्रा अनुसार शैक्षिक उपलब्धि की सार्थकता का स्तर

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान का अन्तर	मानक विचलन त्रुटि	क्रांतिक अनुपात	सार्थकता का स्तर
छात्र	126	57.24	11.81				सार्थक
छात्रा	74	57.36	14.29	0.12	1.84	0.06	अन्तर नहीं है।

Df=198

0.05 स्तर पर 1.98

0.01 स्तर पर 2.60

दोनों चरों के बीच क्रांतिक अनुपातका मान 0.06 प्राप्त हुआ है मध्मानों के अन्तर की सार्थकता का स्तर क्रांतिक मूल्य के लिये निश्चित डी.एफ. (d.f.=198) का मान सारणी के मान से दोनों स्तरों पर 0.05 स्तर पर 1.98 एवं .01 स्तर पर 2.60 के मान से कम प्राप्त हुआ है इसलिये दोनों चरों छात्र एवं छात्रा का शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक अन्तर नहीं है।

निष्कर्ष-सारणी के मान से हम कह सकते हैं कि छात्र एवं छात्रा की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक अन्तर नहीं है ।

परिकल्पना परीक्षण -शोध से सहसंबंध सार्थक संबंध नहीं होने के कारण हम शून्य परिकल्पना को स्वीकृत करते हैं।

परिकल्पना .2ब- छात्र-छात्रा के सामाजिक समायोजन में सार्थक अंतर नहीं है।

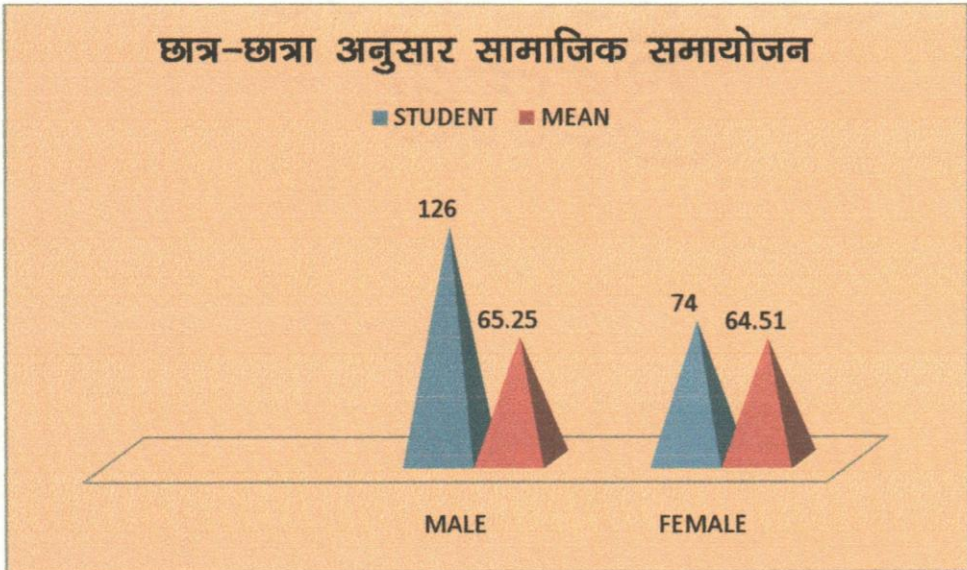
तालिका क्रमांक -31

सामाजिक समायोजन

समूह	संख्या	मध्यमान
छात्र	126	65.25
छात्राए	74	64.51

प्रस्तुत तालिका अनुसार हम परिकल्पना के लिए छात्र-छात्राओं के सामाजिक समायोजन में सार्थक अंतर देखने के लिए चरों का मध्यमान ज्ञात किया गया है जिसका औसत मान विद्यार्थियों की संख्या अनुसार नीचे ग्राफ की सहायता से प्रस्तुत किया गया है।

ग्राफ क्रमांक -15



तालिका क्रमांक -32

छात्र-छात्रा अनुसार सामाजिक समायोजन की सार्थकता

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान का अन्तर	मानक विचलन त्रुटि	क्रांतिक अनुपात	सार्थकता का स्तर
छात्र	126	65.25	19.54	0.74	2.60	0.28	सार्थक अन्तर
छात्राए	74	64.51	17.30				नही है।

Df=198

0.05 स्तर पर 1.98

0.01 स्तर पर 2.60

दोनों चरो के बीच क्रांतिक अनुपात का मान 0.28 प्राप्त हुआ है मध्मानों के अन्तर की सार्थकता का स्तर क्रांतिक मूल्य के लिये निश्चित डी.एफ. (d.f.=198) का मान सारणी के मान से दोनो स्तरों पर 0.05 स्तर पर 1.98 एवं .01 स्तर पर 2.60के मान से कम प्राप्त हुआ है इसलिये दोनो चरों छात्र एवं छात्रा का सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक अन्तर नहीं है।

निष्कर्ष-सारणी के मान से हम कह सकते हैं कि छात्र एवं छात्रा के सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक अन्तर नहीं है ।

परिकल्पना परीक्षण -शोध से सहसंबंध सार्थक संबंध नहीं होन के कारण हम शून्य परिकल्पना को स्वीकृत करते हैं।

परिकल्पना .3ब- शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।

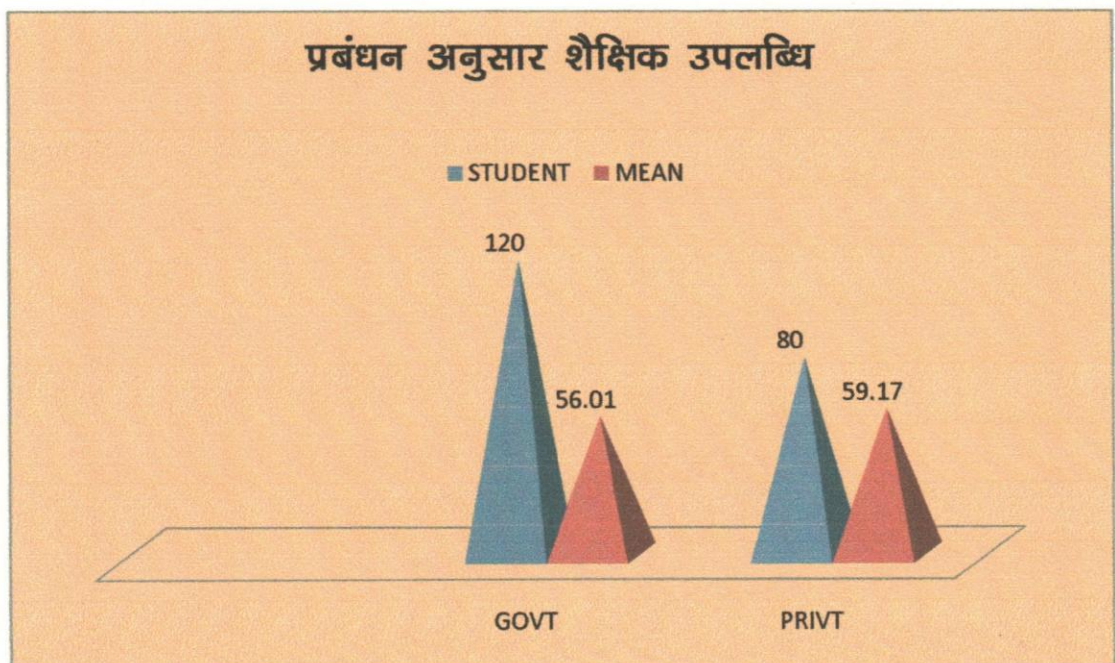
तालिका क्रमांक -33

प्रबंधन अनुसार शैक्षिक उपलब्धि

प्रबंधन	संख्या	मध्यमान
शासकीय	120	56.01
अशासकीय	80	59.17

प्रस्तुत तालिका अनुसार हम परिकल्पना के लिए शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर देखने के लिए चरों का मध्यमान ज्ञात किया गया है जिसका औसत मान विद्यार्थियों की संख्या अनुसार नीचे ग्रॉफ की सहायता से प्रस्तुत किया गया है।

ग्रॉफ क्रमांक -16



तालिका क्रमांक -34

प्रबंधन अनुसार शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय की शैक्षिक उपलब्धि की सार्थकता

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान का अन्तर	मानक विचलन त्रुटि	क्रांतिक अनुपात	सार्थकता का स्तर
शासकीय	120	56.01	12.96	3.16	1.78	1.77	सार्थकअन्तर नहीं है।
अशासकीय	80	59.17	12.35				

Df=198

0.05 स्तर पर 1.98

0.01 स्तर पर 2.60

दोनों चरों के बीच क्रांतिक अनुपात का मान 1.77 प्राप्त हुआ है मध्मानों के अन्तर की सार्थकता का स्तर क्रांतिक मूल्य के लिये निश्चित डी.एफ. (d.f.=198) का मान सारणी के मान से दोनों स्तरों पर 0.05 स्तर पर 1.98 एवं .01 स्तर पर 2.60के मान से कम प्राप्त हुआ है इसलिये दोनों चरों शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक अन्तर नहीं है।

निष्कर्ष-सारणी के मान सेहम कह सकते हैं कि शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय छात्र एवं छात्रा के शैक्षिक उपलब्धिके मध्य सार्थक अन्तर नहीं है ।

परिकल्पना परीक्षण -शोध से सहसंबंध सार्थक संबंध नहीं होन के कारण हम शून्य परिकल्पना को स्वीकृत करते हैं।

परिकल्पना 4.ब- शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की सामाजिक समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं है।

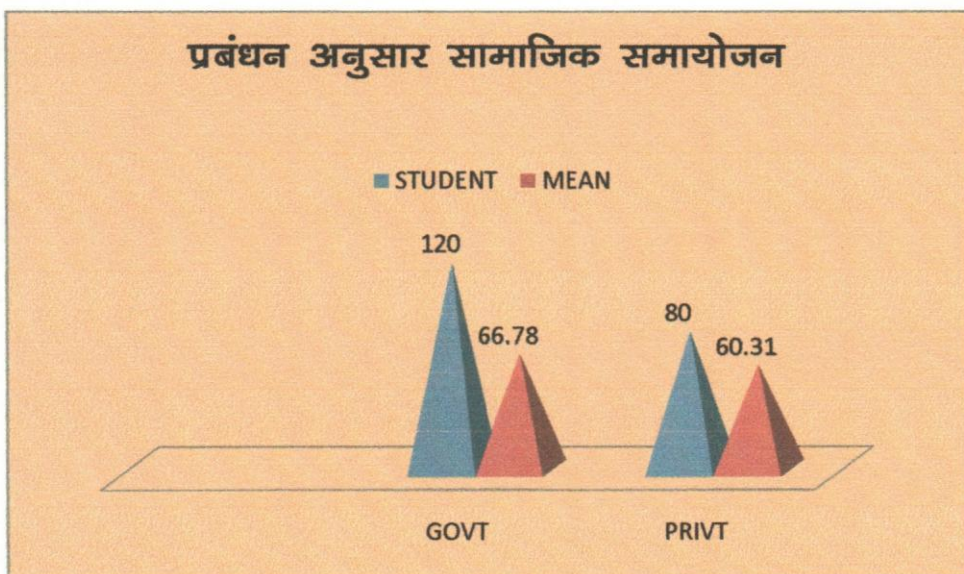
तालिका क्रमांक -35

प्रबंधन अनुसार सामाजिक समायोजन

प्रबंधन	संख्या	मध्यमान
शासकीय	120	66.78
अशासकीय	80	60.31

प्रस्तुत तालिका अनुसार हम परिकल्पना के लिए शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों का सामाजिक समायोजन में अन्तर देखने के लिए चरों का मध्यमान ज्ञात किया गया है जिसका औसत मान विद्यार्थियों की संख्या अनुसार नीचे ग्राफ की सहायता से प्रस्तुत किया गया है।

ग्राफ क्रमांक -17



तालिका क्रमांक -36

प्रबंधन अनुसार सामाजिक समायोजन की सार्थकता

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान का अन्तर	मानक विचलन त्रुटि	क्रांतिक अनुपात	सार्थकता का स्तर
शासकीय	120	66.78	17.90	6.47	2.53	2.55	सार्थक अन्तर
अशासकीय	80	60.31	17.98				नहीं है।

Df=198

0.05 स्तर पर 1.98

0.01 स्तर पर 2.60

दोनों चरों के बीच क्रांतिक अनुपात का मान 2.55 प्राप्त हुआ है मध्यमानों के अन्तर की सार्थकता का स्तर क्रांतिक मूल्य के लिये निश्चित डी.एफ. (d.f.=198) का मान सारणी के मान से दोनों स्तरों पर 0.05 स्तर पर 1.98 एवं .01 स्तर पर 2.60 के मान से कम प्राप्त हुआ है इसलिये दोनों चरों शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक अन्तर है।

निष्कर्ष-सारणी के मान से हम कह सकते हैं कि शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय छात्र एवं छात्रा के सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक अन्तर नहीं है।

परिकल्पना परीक्षण -शोध से सहसंबंध सार्थक संबंध नहीं होने के कारण हम शून्य परिकल्पना को स्वीकृत करते हैं।

परिकल्पना 5.ब- केन्द्रिय माध्यमिक शिक्षा मण्डल, दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल के शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर है।

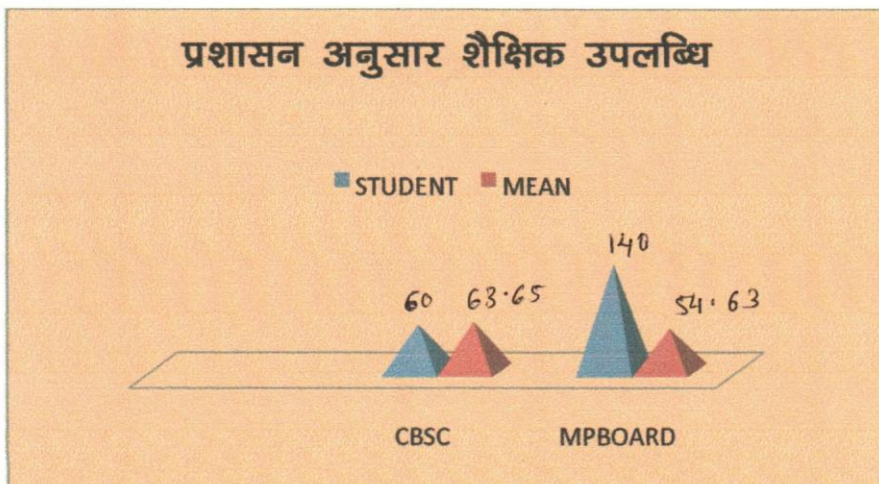
तालिका क्रमांक -37

प्रशासन अनुसार शैक्षिक उपलब्धि

समूह	संख्या	शैक्षिक उपलब्धि
CBSC	60	63.65
MPBOARD	140	54.63

प्रस्तुत तालिका अनुसार हम परिकल्पना के लिए केन्द्रिय माध्यमिक शिक्षा मण्डल, दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर देखने के लिए चरों का मध्यमान ज्ञात किया गया है जिसका औसत मान विद्यार्थियों की संख्या अनुसार नीचे ग्रॉफ की सहायता से प्रस्तुत किया गया है।

ग्रॉफ क्रमांक -18



तालिका क्रमांक -38

शैक्षिक उपलब्धि की सार्थकता

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान का अन्तर	मानक विचलन त्रुटि	क्रांतिक अनुपात	सार्थकता का स्तर
CBSC	60	63.65	10.74				सार्थक अन्तर है।
MPBOARD	140	54.63	12.63	9.02	1.65	5.46	

Df=198

0.05 स्तर पर 1.98

0.01 स्तर पर 2.60

दोनों चरों के बीच क्रांतिक अनुपात का मान 5.46 प्राप्त हुआ है मध्मानों के अन्तर की सार्थकता का स्तर क्रांतिक मूल्य के लिये निश्चित डी.एफ. (d.f.=198) का मान सारणी के मान से दोनो स्तरों पर 0.05 स्तर पर 1.98 एवं .01 स्तर पर 2.60 के मान से अधिक प्राप्त हुआ है इसलिये दोनो चरों केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मण्डल दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल (म. प्र.) अनुसार शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक अन्तर है।

निष्कर्ष-सारणी के मान सेहम कह सकते है कि केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मण्डल दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल(म. प्र.) अनुसार शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक अन्तर है।

परिकल्पना परीक्षण -शोध से सहसंबंध सार्थक संबंध नही होन के कारण हम शून्य परिकल्पना को अस्वीकृत करते है।

परिकल्पना 6.ब- केन्द्रिय माध्यमिक शिक्षा मण्डल, दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल के सामाजिक समायोजन में सार्थक अंतर नहीं है।

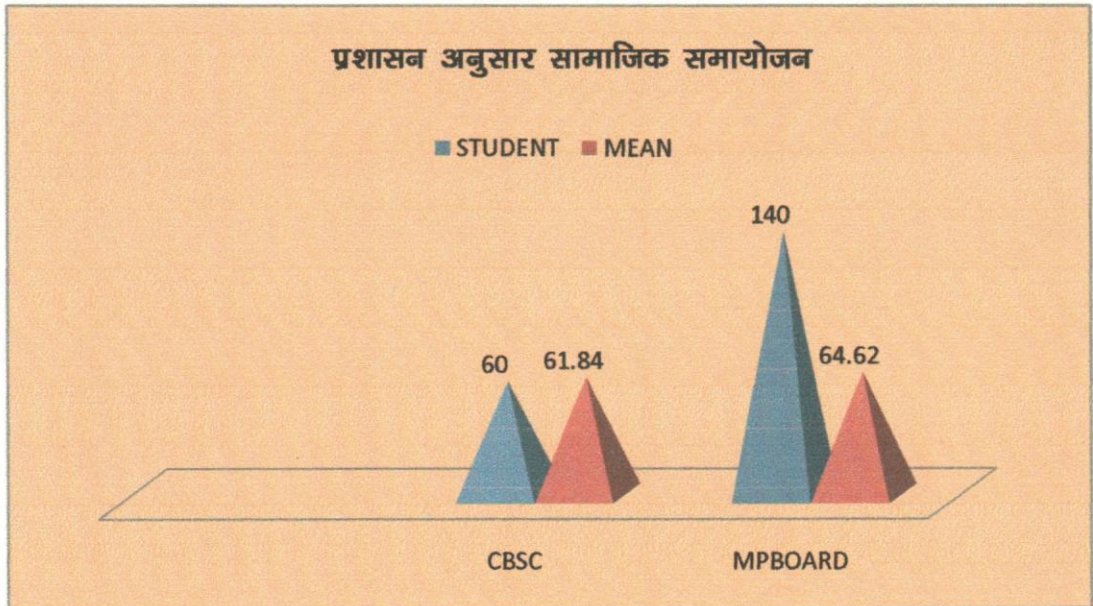
तालिका क्रमांक -39

प्रशासन अनुसार सामाजिक समायोजन

प्रबंधन	संख्या	मध्यमान
CBSC	60	61.84
MPBOARD	140	64.62

प्रस्तुत तालिका अनुसार हम परिकल्पना के लिए केन्द्रिय माध्यमिक शिक्षा मण्डल, दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल के विद्यार्थियों के सामाजिक समायोजन के मध्य अंतर देखने के लिए चरों का मध्यमान ज्ञात किया गया है जिसका विद्यार्थियों की संख्या अनुसार औसत मान नीचे ग्रॉफ की सहायता से प्रस्तुत किया गया है।

ग्रॉफ क्रमांक -19



सामाजिक समायोजन की सार्थकता

तालिका क्रमांक -40

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान का अन्तर	मानक विचलन त्रुटि	क्रांतिक अनुपात	सार्थकता का स्तर
CBSC	60	61.84	15.32				सार्थक
MPBOARD	140	64.62	19.46	2.78	2.45	1.13	अन्तर नहीं है।

Df=198

0.05 स्तर पर 1.98

0.01 स्तर पर 2.60

दोनों चरों के बीच क्रांतिक अनुपात का मान 1.13 प्राप्त हुआ है मध्यमानों के अन्तर की सार्थकता का स्तर क्रांतिक मूल्य के लिये निश्चित डी.एफ. (d.f.=198) का मान सारणी के मान से दोनों स्तरों पर 0.05 स्तर पर 1.98 एवं 0.01 स्तर पर 2.60 के मान से कम प्राप्त हुआ है इसलिये दोनों चरों CBSC एवं MPBOARD के विद्यालय के सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक अन्तर नहीं है।

निष्कर्ष-सारणी के मान से हम कह सकते हैं कि CBSC एवं MPBOARD के विद्यालय के सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक अन्तर नहीं है।

परिकल्पना परीक्षण -शोध से सहसंबंध सार्थक संबंध नहीं होने के कारण हम शून्य परिकल्पना को स्वीकृत करते हैं।

परिकल्पना .7.ब- हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं है।

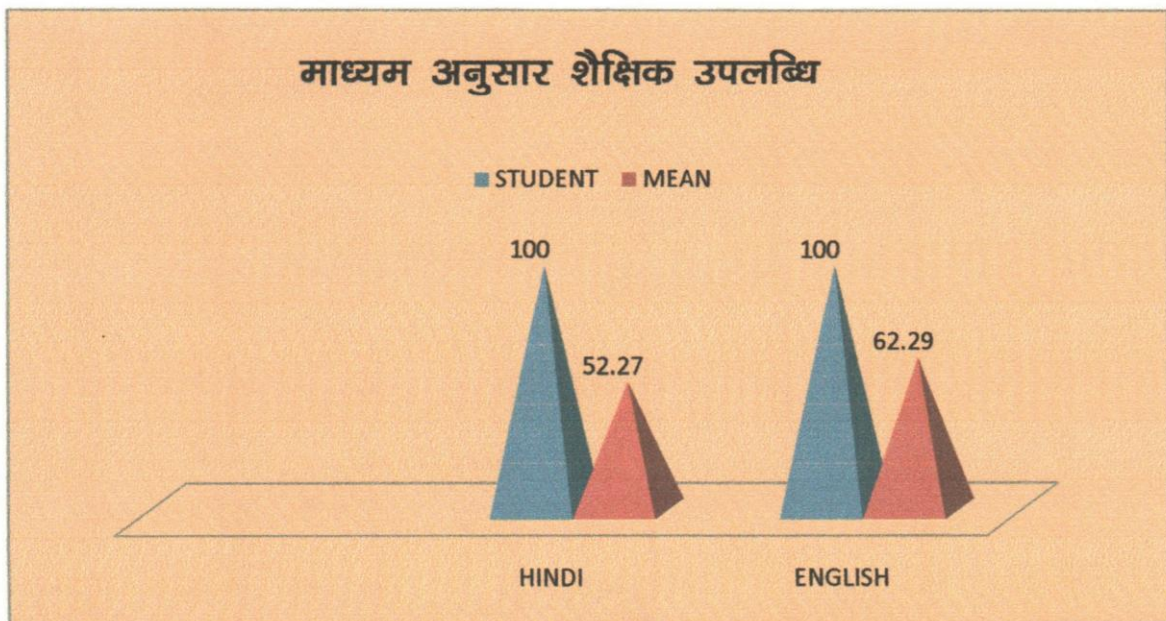
तालिका क्रमांक -41

माध्यम अनुसार शैक्षिक उपलब्धि

समूह	संख्या	मध्यमान
हिन्दी माध्यम	100	52.29
अंग्रेजी माध्यम	100	62.29

प्रस्तुत तालिका अनुसार हम परिकल्पना के लिए हिन्दी माध्यम एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में अंतर देखने के लिए चरों का मध्यमान ज्ञात किया गया है जिसका विद्यार्थियों की संख्या अनुसार औसत मान नीचे ग्रॉफ की सहायता से प्रस्तुत किया गया है।

ग्रॉफ क्रमांक -20



प्रस्तुत ग्राँफ अनुसार दर्शाया गया है कि हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की संख्या क्रमशः 100-100 एवं इन विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का औसत मान क्रमशः 52.27 एवं 62.29 है।

तालिका क्रमांक -42

माध्यम अनुसार शैक्षिक उपलब्धि की सार्थकता

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान का अन्तर	मानक विचलन त्रुटि	क्रांतिक अनुपात	सार्थकता का स्तर
हिन्दी माध्यम	100	52.29	11.42				सार्थक
अंग्रेजी माध्यम	100	62.29	12.91	10	1.66	6.02	अन्तर है।

Df=198

0.05 स्तर पर 1.98

0.01 स्तर पर 2.60

दोनों चरों के बीच क्रांतिक अनुपात का मान 6.02 प्राप्त हुआ है मध्मानों के अन्तर की सार्थकता का स्तर क्रांतिक मूल्य के लिये निश्चित डी.एफ. (d.f.=198) का मान सारणी के मान से दोनो स्तरों पर 0.05 स्तर पर 1.98 एवं .01 स्तर पर 2.60के मान से अधिक प्राप्त हुआ है इसलिये दोनो चरों हिन्दी माध्यम अंग्रेजी माध्यम अनुसार शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक अन्तर है।

निष्कर्ष-सारणी के मान से हम कह सकते हैं कि हिन्दी माध्यम अंग्रेजी माध्यम अनुसार शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक अन्तर है।

परिकल्पना परीक्षण -शोध से सहसंबंध सार्थक संबंध नहीं होने के कारण हम शून्य परिकल्पना को अस्वीकृत करते हैं।

परिकल्पना .8ब- हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के सामाजिक समायोजन में सार्थक अंतर नहीं है।

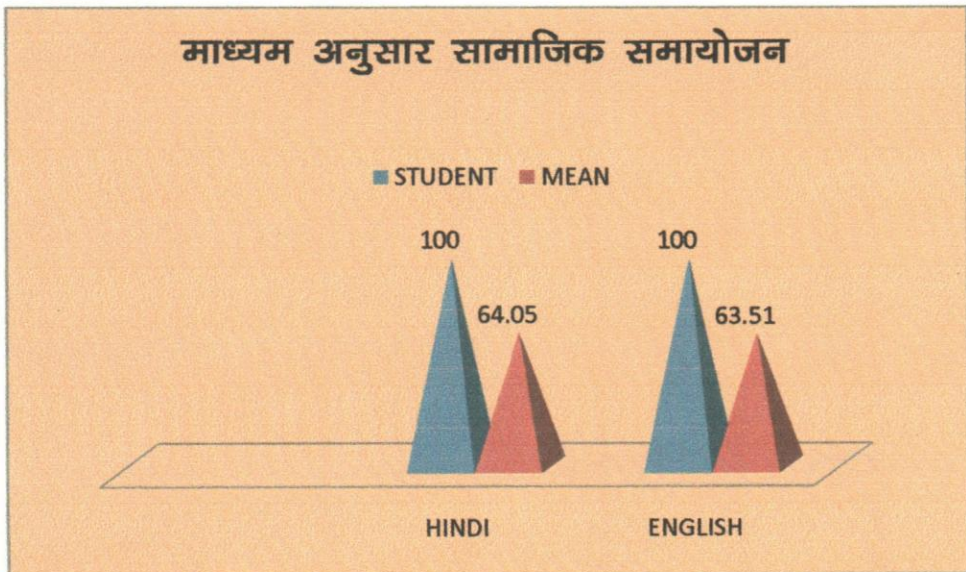
माध्यम अनुसार सामाजिक समायोजन

तालिका क्रमांक -43

माध्यम	संख्या	मध्यमान
हिन्दी माध्यम	100	64.68
अंग्रेजी माध्यम	100	63.51

प्रस्तुत तालिका अनुसार हम परिकल्पना के लिए विद्यार्थियों के सामाजिक समायोजन हेतु हिन्दी माध्यम एवं अंग्रेजी माध्यम के मध्य अंतर देखने के लिए चरों का मध्यमान ज्ञात किया गया है जिसका विद्यार्थियों की संख्या अनुसार औसत मान नीचे ग्रॉफ की सहायता से प्रस्तुत किया गया है।

ग्रॉफ क्रमांक -21



प्रस्तुत ग्रॉफ अनुसार दर्शाया गया है कि हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की संख्या क्रमशः 100-100 एवं इन विद्यार्थियों का सामाजिक समायोजन का औसत मान क्रमशः 64.05 एवं 63.51 है।

तालिका क्रमांक -4.4

माध्यम अनुसार सामाजिक समायोजन की सार्थकता

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान का अन्तर	मानक विचलन त्रुटि	क्रांतिक अनुपात	सार्थकता का स्तर
हिन्दी माध्यम	100	64.05	17.02				सार्थक अन्तर है।
अंग्रेजी माध्यम	100	63.51	12.91	1.37	0.09	15.22	

Df=198

0.05 स्तर पर 1.98

0.01 स्तर पर 2.60

दोनों चरो के बीच क्रांतिक अनुपात का मान 15.22 प्राप्त हुआ है मध्यमानों के अन्तर की सार्थकता का स्तर क्रांतिक मूल्य के लिये निश्चित डी.एफ. (d.f.=198) का मान सारणी के मान से दोनो स्तरों पर 0.05 स्तर पर 1.98 एवं .01 स्तर पर 15.22के मान से अधिक प्राप्त हुआ है इसलिये दोनो चरों हिन्दी माध्यम अंग्रेजी माध्यम अनुसार सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक अन्तर है।

निष्कर्ष-सारणी के मान से हम कह सकते है कि हिन्दी माध्यम अंग्रेजी माध्यम अनुसार सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक अन्तर है।

परिकल्पना परीक्षण -शोध से सहसंबंध सार्थक संबंध नही होन के कारण हम शून्य परिकल्पना को अस्वीकृत करते है।

प्रस्तुत शोध निष्कर्ष

- 1 प्रस्तुत शोध संख्यात्मक प्रकार का शोध है यह शोध एक व्यावहारिक शोध है। 2. प्रस्तुत शोध एक विवरणात्मक पद्धति को शोध है इस शोध में सर्वे अध्ययन विधि का उपयोग किया गया है।
2. प्रस्तुत शोध हेतु मानकीकृत सामाजिक समायोजन मापनी का उपयोग किया है। 3. प्रस्तुत शोध हेतु बैतूल जिले के 10 विद्यालयों का चयन स्तरीकृत यादृच्छिक विधि से किया गया है। विद्यार्थियों का चयन लॉटरी विधि से किया गया है।
- 2 शोध हेतु 6 शासकीय एवं 4 अशासकीय विद्यालय को लिया गया है।
- 3 शोध हेतु कुल 200 विद्यार्थियों में से 126 बालक 63 प्रतिशत एवं 74 बालिकाएं 37 प्रतिशत हैं।
- 4 शोध हेतु कुल 5 विद्यालय हिन्दी माध्यम के एवं 5 विद्यालय अंग्रेजी माध्यम के है।
- 5 शोध के अनुसार विद्यार्थियों के सामाजिक समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य -0.02 का सहसंबंध है
- 6 छात्र की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन में सार्थक संबंध नहीं है।
7. छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन में सार्थक संबंध नहीं है।
8. शासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।
9. अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।
10. केन्द्रिय माध्यमिक शिक्षा मण्डल दिल्ली के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

11. माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।
12. हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।
13. अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।
14. शोध के कुल विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

शोध में चरों के संबंध में का अन्तर -

1. छात्र-छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।
2. छात्र-छात्राओं के सामाजिक समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं है।
3. शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।
4. शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की सामाजिक समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं है।
5. केन्द्रिय माध्यमिक शिक्षा मण्डल, दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल के शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर है।
6. केन्द्रिय माध्यमिक शिक्षा मण्डल, दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल के सामाजिक समायोजन में सार्थक अंतर नहीं है।
7. हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर है।
8. हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के सामाजिक समायोजन में सार्थक अंतर है।

प्रस्तुत शोध में पाया गया है कि हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन में सार्थक अंतर है साथ ही CBSE एवं MP Borad के विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में भी सार्थक अन्तर पाया गया है।

प्रस्तुत शोध हेतु ज्ञात होता है कि शैक्षिक उपलब्धि को बढ़ाने हेतु अनेक सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक कारण होते हैं परन्तु इस शोध में शैक्षिक उपलब्धि को विद्यालय के सामाजिक समायोजन से मापा गया है एवं इस अनुसार निष्कर्ष में पाया गया है कि शैक्षिक उपलब्धि को बढ़ाने के लिए विद्यार्थियों के मध्य सामाजिक समायोजन होना आवश्यक नहीं है।